संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -355 रविवार ,29 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारत के उठाए गए कदम की विपक्ष ने की तीखी आलोचना

इजरायल-हमास के बीच संघर्ष विराम की मांग करने वाले यूएनए के प्रस्ताव पर भारत ने क्यों नहीं की वोटिंग

» विपक्ष, पवार, प्रियंका और ओवैसी ने विदेश नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2023(ए)।

इजरायल और हमास की जंग में मानवीय पहलू पर संघर्ष विराम का आह्वान करने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव पर मतदान करने से भारत ने परहेज किया है। घटनाक्रम से परिचित आधिकारिक सूत्रों ने एबीपी लाइव को इस बारे में जानकारी दी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में हमास और इजरायली सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष विराम के लिए एक व्यापक प्रस्ताव अपनाया। इजरायली जमीनी हमलों और बमबारी में इजाफे के बीच इसमें गाजा में फंसे लोगों को लगातार जीवन के लिए जरूरी और पर्याप्त सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई।

प्रस्ताव जॉर्डन की ओर से लाया गया था. इसे संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की ओर से बहुमत से अपनाया गया. इसके पक्ष में 120 वोट पड़े। विरोध में 14 मत पड़े और 45 वोट नहीं पड़े। एक विशेष सत्र में इजरायल, अमेरिका, हंगरी और पांच पेसिफिक आइलैंड स्टेट्स ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया. एबीपी लाइव को सूत्रों ने यह भी बताया कि मतदान के दौरान भारत ने फिलिस्तीन को लेकर नई दिल्ली के सुसंगत रुख पर जोर दिया।

भारत ने क्यों किया प्रस्ताव पर मतदान से परहेज?

सूत्र ने बताया कि प्रस्ताव में सभी तत्वों को शामिल नहीं किए जाने के कारण भारत ने इसके मतदान में हिस्सा नहीं लिया. भारत का वोट मुद्दे पर उसकी दृढ़ और उचित स्थिति के आधार पर दिया जाना था. यह पाया गया कि प्रस्ताव में हमास की ओर से किए गए आतंकवादी हमले की कोई स्पष्ट निंदा शामिल नहीं की गई थी। वहीं, मुख्य प्रस्ताव पर मतदान से पहले इसी से संबंधित एक संशोधन पेश किया गया था, भारत ने संशोधन के पक्ष में वोट किया. इसके पक्ष में 88 वोट पड़े। यह अनिवार्य दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा, इसलिए इसे अमान्य कर दिया गया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप दूत योजना पटेल ये बोलीं

संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने भारत के वोट के बारे में बताते हुए कहा कि 7 अक्टूबर के आतंकी हमले चौंकाने वाले थे. पटेल ने हमास की ओर से बंधक बनाए गए लोगों को तत्काल छोड़े जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गाजा में मरने वालों की संख्या चिंता का विषय है और मानवीय संकट पर ध्यान देने की जरूरत है।

कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति पर संयुक्तराष्ट्र में आपातकालीन विशेष सत्र की बैठक में पटेल ने कहा कि नागरिक, विशेषकर महिलाएं और बच्चे अपनी जान देकर जंग की कीमत चुका रहे हैं, इस मानवीय संकट से निपटने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के तनाव कम करने के प्रयासों और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने का स्वागत करते हैं. भारत ने भी इस प्रयास में योगदान दिया है।

दो राज्य समाधान को समर्थन

योजना पटेल ने कहा, भारत ने हमेशा इजरायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर बातचीत के जरिये दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है, जिससे इजरायल के साथ शांति से सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर रहने वाले फिलिस्तीन के एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य राज्य की स्थापना हो सके।उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत हिंसा से बचने और सीधी शांति वार्ता को जल्द शुरू करने का आह्वान करता है.।

पाक सेना ने सीमा पर शेलिंग से उकसाया

» बीएसएफ ने दिया मुंहतोड़ जवाब, मॉनिटरिंग टावर समेत कई चौकियां की तबाह

जम्मू कश्मीर,28 अक्टूबर 2023(ए)।पाकिस्तान की ओर से जम्मू कश्मीर से सटे सीमा के पास अरनिया और आरएस पुरा सेक्टर में फायरिंग की गई.पाकिस्तानी सेना ने इन जगहों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी थी, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है. एएनआई के मुताबिक बीएसएफ ने आतंकवादियों का समर्थन करने वाले पाकिस्तानी चौकियों और उनके ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है.

बीएसएफ ने की जवाबी कार्रवाई

भारतीय सुरक्षा बलों के अनुसार कुछ दिन पहले बीएसएफ का एक जवान अंतरराष्ट्रीय सीमा के सीमा के पास फेंसिंग रिपेयर करने के लिए गया था, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने उनपर हमला कर दिया था. उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी स्नाइपर्स ने बीएसएफ जवान पर फायरिंग की, जिसमें बीएसएफ के जवान के जबड़े में गोली लगी और उसका इलाज चल रहा है.

इस घटना के बाद बीएसएफ ने जवाबी कर्रवाई करते हुए पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया. बीएसएफ की गोलीबारी में पाकिस्तान की मॉनिटरिंग टावरों को भी पहुंचा है. साथ ही पाकिस्तानी रेंजर्स को भी भारी नुकसान हुआ है.

पाकिस्तानी सेनाओं का हुआ भारी नुकसान

सेना के अनुसार बीएसएफ की कार्रवाई इतनी तेज थी कि सीमा पार से एंबुलेंस को तेजी से जाते देखा जा सकता था. सुरक्षा बलों के अधिकारी के मुताबिक किसी भी तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए बीएसएसफ बॉर्डर वाले इलाकों में पूरी तरह से सक्रिय है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर से सीजफायर का उल्लघंन कर भारतीय सेना पर हमला किया और आम नागरिकों को निशाना बनाया.

सख्ती से निपटने के निर्देश

उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए बीएसएफ को खुली छूट दी गई है. सेना और कमांडो को पाकिस्तान की ओर से उकसान के लिए की जाने वाली हरकतों से सख्ती ने निपटने के निर्देश दिए गए. गुरुवार (26 अक्टूबर) को पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ को निशाने बनाते हुए फायरिंग की थी. जिसके बाद सीमा से सटे गांव वालों को पास बने बंकरों में शरण लेनी पड़ी थी.

मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी

मुंबई,28 अक्टूबर 2023(ए)। एशिया और देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी ईमेल के माध्यम से मिली है। जिसमें 20 करोड़ रुपये की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार अंबानी को ये धमकी गुरुवार शाम को मिली है।

इस ईमेल के मिलने के बाद मुकेश अंबानी के सिक्योरिटी इंचार्ज की शिकायत के आधार पर गामदेवी पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 387 और 506 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

» मेल में लिखा-20 करोड़ नहीं दोगे तो.हमारे पास देश के बेस्ट शूटर्स

» धमकी भरे ईमेल में लिखा हमारे पास भारत के सबसे अच्छे शूटर

पहले भी मिल चुकी है धमकी

-मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

-रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को अब 2 नवंबर को बुलाया

महुआ के आग्रह पर बढ़ाई तारीख

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2023 (ए)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों की जांच कर रही लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने टीएमसी सांसद के आग्रह पर अब उन्हें 31 अक्टूबर की बजाय 2 नवंबर को सुबह 11 बजे कमेटी के सामने पेश होकर अपने बचाव में तथ्यों को रखने को कहा है।

दरअसल, इस मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और जय अनंत देहाद्राई की गवाही के बाद लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने अपना पक्ष रखने के लिए महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को बुलाया था।

लेकिन, महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर को पत्र लिखकर यह बताया कि वह अपने संसदीय क्षेत्र में पहले से निर्धारित कार्यक्रमों के कारण 4 नवंबर से पहले दिल्ली नहीं आ सकती, इसलिए समिति उन्हें 5 नवंबर के बाद कभी भी पेश होने का समय दे दें।

महुआ मोइत्रा के पत्र का संज्ञान लेते हुए लोकसभा सचिवालय ने एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर के निर्देश पर उन्हें पत्र लिखकर कमेटी के सामने 2 नवंबर को 11 बजे पेश होने को कहा है।

इसके साथ ही एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को लिखे पत्र में यह भी साफ कर दिया है कि मामले की गंभीरता और संसद के सम्मान से जुड़ा मामला होने के कारण अब इस तारीख को आगे बढ़ाने का महुआ मोइत्रा का कोई भी आग्रह स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एनआईए ने मणिपुर हिंसा में अंतरराष्ट्रीय साजिश के आरोपी की जमानत का किया विरोध

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2023(ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मोइरांगथेम आनंद सिंह की जमानत याचिका का विरोध किया है। उस पर मणिपुर हिंसा से संबंधित अंतरराष्ट्रीय साजिश में शामिल होने का आरोप है।एजेंसी ने तर्क दिया कि सिंह के प्रतिबंधित संगठनों से संबंध थे! उन्हें अत्याधुनिक हथियारों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया था और उनके म्यांमार स्थित आतंकवादी संगठनों के नेताओं से संबंध थे।गिरफ्तारी के बाद सिंह को नई दिल्ली लाया गया और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।एनआईए ने पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सचिन गुप्ता को सूचित किया कि सिंह पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों में सक्रिय आतंकवादी समूहों के नेतृत्व द्वारा योजनाबद्ध एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा था। इस साजिश का उद्देश्य मणिपुर में चल रही जातीय अशांति का फायदा उठाकर भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना और आतंकी हमले करना था, जिससे मणिपुर में मौजूदा स्थिति बिगड़ जाए।एनआईए ने तर्क दिया कि आरोपी को जमानत पर रिहा करने से चल रही जांच को खतरा होगा और उसके इतिहास को देखते हुए, उसके इसी तरह की गतिविधियों में शामिल होने की बहुत अधिक संभावना है जिससे राज्य में मौजूदा सुरक्षा स्थिति खराब हो सकती है।

असम में भाजपा नेता की हत्या

परिवार ने स्थानीय कांग्रेस नेताओं पर लगाया आरोप

गुवाहाटी,28 अक्टूबर 2023 (ए)। असम के करीमगंज जिले में पिछले कुछ दिनों से लापता 47 वर्षीय पूर्व पंचायत सदस्य और भाजपा नेता का शव मिला है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने जिले के पत्थरकांडी इलाके में भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता अब्दुल सत्तार का शव बरामद किया। गत 23 अक्टूबर को उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

करीमगंज जिले के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

सत्तार के शरीर पर कई बाहरी चोटों के निशान हैं, जिससे पता चलता है कि उन्हें प्रताड़ित किया गया था।

उन्होंने कहा, परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि पीड़िता की हत्या की गई है। इस बीच, मृतक अब्दुल सत्तार के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उनकी हत्या में एक स्थानीय कांग्रेस नेता सुरमान अली और उनके दोस्त शामिल थे।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि वह अभी भी इस मामले की जांच कर रही है।

सत्तार के परिजनों के मुताबिक, 23 अक्टूबर को रात करीब 9 बजे, जब वह घर पर थे, उनके पास कई फोन आए।उन्होंने बताया कि उन्हें स्थानीय विधायक के घर पर एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेना है।

परिवार के एक सदस्य ने कहा, वह वापस नहीं आए। जब हमने अगली सुबह उनसे संपर्क करने की को?शिश की तो उनका फोन बंद था। हमने अगले दिन पुलिस और पार्टी के अन्य नेताओं को बताया।÷

सत्तार के बेटे ने संवाददाताओं से कहा कि उनके पिता को चार महीने पहले स्थानीय कांग्रेस नेताओं के एक समूह ने धमकी दी थी।

सत्तार के परिजनों के मुताबिक, उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे और शव को बोरे में ठूंस दिया गया था।

उन्?होंने कहा, ÷उनकी हत्या कर दी गई और शव को बड़े पत्थरों के साथ नदी में फेंक दिया गया।÷

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

भारत ने 26 राफेल-समुद्री जेट विमानों की खरीद के लिए फ्रांस को एलओआर भेजा

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2023 (ए)।भारत ने 26 राफेल-समुद्री लड़ाकू जेट खरीदने के लिए फ्रांसीसी सरकार को अनुरोध जारी किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-समुद्री लड़ाकू जेट और तीन स्कॉर्पीन डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की खरीद के प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दे दी थी।

मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने फ्रांसीसी सरकार से भारतीय नौसेना के लिए संबंधित सहायक उपकरण, हथियार, सिम्युलेटर, स्पेयर, दस्तावेज़ीकरण, चालक दल प्रशिक्षण और रसद समर्थन के साथ 26 राफेल-समुद्री लड़ाकू जेट की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। अंतर-सरकारी समझौता (आईजीए)।

इसमें कहा गया है कि अन्य देशों द्वारा समान विमान की तुलनात्मक खरीद कीमत सहित सभी प्रासंगिक पहलुओं को ध्यान में रखने के बाद कीमत और खरीद की अन्य शर्तों पर फ्रांसीसी सरकार के साथ बातचीत की जाएगी।

इसके अलावा, भारतीय डिज़ाइन किए गए उपकरणों के एकीकरण और विभिन्न प्रणालियों के लिए रखरखाव, मरम्मत और संचालन (एमआरओ) हब की स्थापना को उचित बातचीत में अनुबंध दस्तावेजों में शामिल किया जाएगा।अब भारतीय रक्षा मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित सौदे के लिए फ्रांसीसी आयुध महानिदेशालय को एक विस्तृत अनुरोध पत्र (एलओआर) जारी किया गया है।

सरकार अपने पूंजीपतियों को मुफ्त चीजें बांटकर भारत की अर्थव्यवस्था को डिफॉल्टर युग में ले जा रही:खड़गे

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2023 (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है मोदी सरकार मुफ्त की रेवड़ियां बांटकर भारत की अर्थव्यवस्था को डिफॉल्टर युग में ले जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नरेंद्र मोदी जी आपकी सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को डिफॉल्टर काल (डिफॉल्टर युग) में ले जा रही है। अपने पूंजीपतियों को मुफ्त की रेवड़ियां बांटना और आम लोगों की बचत को नष्ट करना आपका एकमात्र एजेंडा रहा है।क्या यह सच नहीं है कि मार्च 2019 के बाद से जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों का बकाया प्रति दिन 100 करोड़ तक बढ़ गया है? क्या आपकी सरकार ने पिछले 9 वित्तीय वर्षों में 14.56 लाख करोड़ रुपये का एनपीए माफ नहीं किया? कांग्रेस प्रमुख ने आगे केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, %%आपकी सरकार नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, विजय माल्या, जतिन मेहता जैसे गंभीर आर्थिक अपराधियों को भारत से लूटने और भागने में मदद करने, कमरतोड़ महंगाई थोपने, आम लोगों की बचत को डुबाने और बड़ी आर्थिक असमानता पैदा करने के लिए दोषी है।÷उन्होंने कहा कि जब हताश किसान मदद के लिए चिल्लाते हैं, तो भाजपा उनका ऋण माफ करने से इनकार कर देती है। लेकिन, जब धनकुबेर मित्र कर्ज माफ कराना चाहते हैं, तो आपकी सरकार एक पल में बाध्य हो जाती है। 2024 में भारत के लोग आपके द्वारा अर्थव्यवस्था पर किए गए हर हमले का जवाब देंगे।

उन्होंने अपने दावों के समर्थन में ट्रांसयूनियन सिबिल द्वारा डेटा का एक ग्राफिक भी पोस्ट किया। कांग्रेस अर्थव्यवस्था को संभालने के सरकार के तरीके की आलोचना करती रही है और समय-समय पर बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और एनपीए के मुद्दे पर आलोचना करती रही है।

मनीष सिसोदिया को होगी जेल या आएंगे बाहर? सुप्रीम कोर्ट जमानत पर 30 अक्टूबर को सुनाएगा फैसला

» सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को फैसला रख लिया था सुरक्षित।

» ईडी और सीबीआई दोनों की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई।

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2023 (ए)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट इसी महीने फैसला सुनाएगा। सिसोदिया दिल्ली की आबकारी नीति (2021-22) घोटाला मामले में जेल में बंद हैं। फैसला जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ सुनाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट आबकारी नीति घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रहा है।

हाईकोर्ट के बाद किया था सुप्रीम कोर्ट का रुख

मनीष सिसोदिया ने शराब नीति मामले में कथित अनियमितताओं से संबंधित सीबीआई और ईडी मामलों में जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जमानत याचिका को खरिज करने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी होने में लगने वाले समय के बारे में जानना चाहा। जांच एजेंसियों ईडी, सीबीआई की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा था कि मुकदमा 9 से बारह महीने के भीतर समाप्त हो सकता है। अदालत ने कहा कि इस मामले में 294 गवाह और हजारों दस्तावेज हैं।

सीबीआई और ईडी ने कब किया गिरफ्तार

सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी को दिल्ली आबकारी नीति घोटाला में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। तब से वह हिरासत में हैं। सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ईडी ने उन्हें 9 मार्च को घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था।

संपादकीय

पड़ोस में घटता प्रभाव ?

दक्षिण एशिया में एक के बाद दूसरे देश भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज कर चीन के प्रभाव क्षेत्र में जा रहे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। हैरतअंगेज यह है कि इतनी बड़ी चुनौती पर देश में कोई चिंता नजर नहीं आती।

भूटान और चीन सीमा विवाद हल करने की तरफ बढ़ रहे हैं, इस बात की अब पुष्टि हो गई है। इस बारे में समझौता होने से पहले संभवतः दोनों देश औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध कायम करेंगे। इस हफ्ते भूटान के उप विदेश मंत्री सुन वाइदोंग ने बीजिंग की यात्रा की, जहां भूटान-चीन सीमा के परिसीमन और सीमांकन के लिए बनी संयुक्त तकनीकी समिति की जिम्मेदारियों और कर्त्तव्यों के बारे में समझौते पर दस्तखत किए गए। इसी बीच चीन का 'अनुसंधान' जहाज श्रीलंका पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मीडिया में यह खबर आई थी कि भारत ने श्रीलंका सरकार से कहा था कि वह इस जहाज को ना आने दे। इस तरह श्रीलंका ने लगातार दूसरे वर्ष चीनी जहाज के संदर्भ में भारतीय चिंताओं की अनदेखी की है। उधर मालदीव में नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजे ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में यह साफ कहा है कि अगले महीने अपने पद की शपथ लेने के बाद भारतीय सुरक्षाकर्मियों को अपने देश से वापस भेजना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

मुइजे ने चीन की परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की जमकर तारीफ की और उसमें मालदीव की भागीदारी बढ़ाने का इरादा जताया। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल अभी कुछ ही समय पहले चीन की यात्रा करके लौटे हैं। उनकी इस यात्रा के दौरान नेपाल में बीआरआई की परियोजनाओं पर अमल संबंधी कई करार हुए। तो यह साफ है कि दक्षिण एशिया में एक के बाद दूसरे देश भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज कर चीन के प्रभाव क्षेत्र में जा रहे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। हैरतअंगेज यह है कि इतनी बड़ी चुनौती पर देश में कोई चिंता नजर नहीं आती। उलटे सत्ताधारी पार्टी और मेनस्ट्रीम मीडिया दुनिया में भारत के कथित रूप से बढ़ते प्रभाव का कथानक प्रचारित करने में जुटे हुए हैं। जबकि यह वक्त गहरे आत्म-निरीक्षण और भारतीय रणनीति एवं कूटनीति की प्राथमिकताओं फिर से तय करने का है। इस बात को अवश्य समझा जाना चाहिए कि कोई बड़ा देश दुनिया में प्रभावशाली नहीं हो सकता, अगर पास-पड़ोस में उसका रुतबा स्वाभाविक रूप से स्थापित ना हो।

नई पेंशन स्कीम-नया अरुणोदय या छलवा

सत्य प्रकाश सिंह
प्रयागराज
उत्तर प्रदेश

भारत दुनिया का सबसे बड़ा गतिशील लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। इस प्रतिष्ठित लोकतंत्र में ग्राम सभा से लेकर संसद तक का सफर करने वाले जनप्रतिनिधि पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ ले रहे हैं। परंतु इसी प्रतिष्ठित लोकतंत्र में 62 वर्ष की उम्र तक कर्तव्यों, दायित्वों का निर्वहन करते-करते थक जाने वाला शिक्षक जो समाज का दर्पण कहा जाता है उसी शिक्षक को नई पेंशन स्कीम जबरदस्ती थोपी जा रही है। हिमाचल सरकार के चिंताराम शास्त्री की चिंताएं तो समाप्त हो गई लेकिन अन्य राज्यों के शिक्षकों के लिए नई पेंशन स्कीम प्रतिभूति बाजार पर की कृपा पर छोड़ दिया गया है। पुरानी पेंशन स्कीम में फिक्स पेंशन की गारंटी है जबकि एनपीएस पर आधारित नई पेंशन स्कीम उदारवाद की आत्मा कहे जाने वाले बाजार व्यवस्था के लिए नामित कंपनियों में एनपीएस का लगाया हुआ पैसा कम हो गया है। सरकार की निजीकरण, बाजारीकरण, उदारीकरण का यह दौर आम शिक्षकों के समझ से परे है। हिमाचल हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री विवेक ठाकुर श्री विपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने कहा कि पुरानी पेंशन संतोष जनक सेवा के बाद इनाम या एहसान नहीं है। 15वें सालाना मर्सर सीएफए इंस्टीट्यूट ग्लोबल पेंशन इंडेक्स (एमसीजीपीआई) के अनुसार भारत का पेंशन सूचकांक मूल्य 2022 में 44.5 से बढ़कर 2023 में 45.9 हो गया है। लेकिन इस तुलनात्मक विश्लेषण का अध्ययन पता करने से पता चलता है कि विश्व के 47 देश की पेंशन प्रणाली में भारत 45 में पायदान पर है। अब सबसे बड़ा सवाल है कि आम लोकसभा चुनाव में पुरानी पेंशन स्कीम सबसे बड़ा मुद्दा बनेगा या नहीं। पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करना सरकार को मुस्कुराहट के साथ स्वीकार करना चाहिए। 1 अक्टूबर 2023 को दिल्ली में लगभग 3 लाख सरकारी कर्मचारियों में विशाल धरना प्रदर्शन किया परंतु पुरानी पेंशन स्कीम के मुद्दे पर सरकार से कोई सकारात्मक बातचीत नहीं हो पाई। पुरानी पेंशन स्कीम के मुद्दे पर सरकार से बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है ।भारत की आर्थिक अर्थव्यवस्था में राज्य और केंद्र की सेहत पर इसका कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। केंद्र सरकार ने टीवी सोमनाथन वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित कर दी है वहीं दूसरी ओर पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल कि राज्य सरकारों ने केंद्र सरकार को सूचित किया है कि वह पुरानी पेंशन योजना को अपना चुके हैं तब अन्य राज्यों को देने में क्या कठिनाई है जहां तक उत्तर प्रदेश सरकार की बात है विश्व के 16 राष्ट्रों में हुए रोड शो से निवेश की संभावनाएं अत्यधिक प्रबल हो गई है । निवेश की संभावनाएं अत्यधिक होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे निवेश का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश में युवाओं के उज्जवल भविष्य की आधारशिला रखेंगी ।उद्यमियों के अति अदम्य उत्साह की अभूतपूर्व सफलता के कारण प्रवासन को रुकेगा। भारत के बड़े-बड़े उद्यमी जागरूक होंगे। अतः भारत सरकार को समस्त कर्मचारी चाहे वह राज्य सरकार हो के हो या केंद्र सरकार के कर्मचारी हो सभी के ऊपर पुरानी पेंशन लागू करना चाहिए। यह सरकार का नैतिक दायित्व है।

प्याज ने दिखाया दम!महंगाई का फोड़ा बम

नवरात्रा समाप्त होते ही त्योहारों के सीजन की दस्तक में प्याज के भाव आसमान छूने लगे!

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

भारत में नवरात्र के 9 दिन धूमधाम से चलने वाले इस महापर्व में ज्यादातर हिंदू परिवारों में इन दिनों में व्रत रखे जाते हैं और प्याज लहसुन आदि कुछ सब्जियों व वस्तुओं का सेवन नहीं किया जाता जिसके कारण इनके दाम कम हो जाते हैं या स्थिर रहते हैं,क्योंकि इनकाइस्तेमाल नहीं होने से खपत बहुत कम हो जाती है, और प्याज की कीमतें अनेको दिनों तक कम ही रहती है, परंतु इस बार नवरात्रा समाप्त होने के दूसरे दिन ही प्याज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के साथ ग्राफ बढ़ता जा रहा है। जब मैं नवरातत्रा समाप्ति के दूसरे दिन सब्जी मंडी में गया तो प्याज का भाव सुनकर स्तब्ध रह गया क्योंकि नवरात्रा के एक दिन पहले ही मैं 26 रुपए प्रति किलो के रेट से प्याज खरीदे थे, इस महंगाई का कारण मेरी समझ से परे है!सब्जी वाले से बात करने पर उन्होंने बताया कि इस बार प्याज 100 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक तक जाने की संभावना है। हालांकि सरकार ने दिनांक 19 अगस्त 2023 को वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचना क्रमांक 47/2023 सीमाशुल्क जारी कर प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है जो तत्काल प्रभाव से 31 दिसंबर 2023 तक जारी रहेगा, क्योंकि एक जानकारी के अनुसार जनवरीमार्च 2023 में प्याज का निर्यात 8.2 लाख टन रहा जबकि यही पिछली अवधि यानें जनवरी-मार्च 2022 में 3.8 लाख टन था। भारत में टमाटर और प्याज को स्वाद याने टेस्ट की चाबी माना जाता है जो भोजन रूपी दरवाजे और उसके स्वाद को प्याज टमाटर रूपी चाबी से खोला जाता है। यानें यह दोनों नहीं रहे तो मेरा मानना है कि अमीर से गरीब व्यक्ति तक को भोजन के स्वाद में कुछ ना कुछ कमीं महसूस करने को मिल जाएगी, इसका अनुभव घर के होम मिनिस्टर यानें महिलाओं को अधिक अनुभव होना लाजमी है, क्योंकि बिना प्याज टमाटर के सब्जी बनाना कितना मुश्किल होता है इनसे अधिक कोई नहीं जान सकता। क्योंकि यदि सब्जी में प्याज किसी को वर्जित है तो उसका अल्टरनेट टमाटर है और टमाटर का अल्टरनेट प्याज है, यदि दोनों ही नहीं हो तो स्वाद की चाबी गुम समझो ! चूंकि अभी प्याज एकाएक 60 -70 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी और मेरी ग्राउंड रिपोर्टिंग के आधार पर हम चर्चा करेंगे वाह प्याज ! अब आंसुओं के सरताज।

साथियों बात अगर हम प्याज की महंगाई के क्रमिक रूप से बढ़ती भारी कीमतों को समझने की करें तो, टमाटर के बाद प्याज ने रुलाने की प्लानिंग शुरू कर दी है। बीते 15 दिनों में लासलगांव एपीएमसी में प्याज की थोक कीमतों में 58 फीसदी का इजाफा हो चुका है। खास बात तो ये है पिछले हफ्ते ही प्याज की कीमत में 18 फीसदी का इजाफा हुआ है। दिसंबर महीने तक प्याज के दाम में तेजी देखने को मिल सकती है। दो दिन पहले तक, लासलगांव मार्केट में में प्याज की औसत कीमत 38 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो दो सप्ताह पहले 24 रुपए प्रति किलोग्राम से 58 प्रतिशत अधिक है. इससे पहले जुलाई और अगस्त के महीने में टमाटर की कीमत आसमान पर पहुंच गई थी। जिसकी वजह से आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। महंगाई की वजह से सरकार के माथे पर बल पड़ने शुरू हो गए थे। अब प्याज रुलाने की तैयारी कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 25-50 फीसदी तक बढ़ गई हैं। फिलहाल प्याज 60-70 रुपये किलो बिक रहा है। बुधवार को दिल्ली के साथ-साथ महाराष्ट्र के कुछ बाजारों में अच्छी क्वालिटी वाले प्याज की उच्चतम कीमत 70 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। अहमदनगर में, 10 दिनों में प्याज की औसत कीमतें लगभग 35 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 55 रुपए प्रति किलो हो गई हैं। इसी तरह, महाराष्ट्र के अधिकांश प्याज उत्पादक जिलों में प्याज की थोक कीमतें अब 45 से 48 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज की कीमतें दिसंबर तक बढ़ने का अनुमान है, साथ ही नई खरीफ फसल के आने में भी देरी हो रही है, जो लगभग दो महीने की देरी से आने की उम्मीद है. बाजारों में प्याज की घटती आवक प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक पखवाड़े में, भंडारित प्याज की आवक में लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो लगभग 400 वाहन प्रति दिन (10 टन प्रत्येक) से घटकर लगभग 250 वाहन हो गई है।

साथियों बात अगर हम नई प्याज आने की करें तो, यह स्थिति बनी रहने की उम्मीद है क्योंकि खरीफ सीजन से नए लाल प्याज की आवक में लगभग दो महीने की देरी हो रही है। बता दें केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगा दिया था, इसके अतिरिक्त, सरकार ने बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए नेफेड द्वारा खरीदे गए प्याज को मौजूदा बाजार दरों से कम पर थोक बाजारों में बेचना शुरू कर दिया था।

साथियों बात अगर हम प्याज पर निर्यात शुल्क 40 प्रतिशत लगाने के कारणों की करें तो, इस साल जनवरी से मार्च 2023 की अवधि में प्याज का निर्यात असाधारण रूप से उच्च स्तर पर लगभग 8.2 लाख टन रहा है, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 3.8 लाख टन था।सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में मानसून के देरी से आने के कारण खरीफ की बुआई में देरी हुई।यही कारण रहा है कि प्याज समेत अन्य जरूरी सब्जियों की औसत खुदरा कीमत एक महीने पहले के 25 रुपये की तुलना में बढ़कर 30 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इससे पहले, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) ने भी महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से 1.50 लाख टन प्याज की खरीद की थी। इसके अलावा, प्याज की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए सरकार ने पायलट आधार पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की मदद से इसका विकिरण शुरू किया। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 से 2023-24 के बीच उच्च खपत वाले क्षेत्रों में रबी सीजन की खरीद के कारण प्याज का वार्षिक बफर एक लाख टन से तीन लाख टन तक होगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, प्याज बफर ने उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और मूल्य स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत को प्याज की लगभग 65 प्रतिशत आपूर्ति रबी सीजन से प्राप्त होती है, जिसकी कटाई अप्रैल-जून के दौरान होती है और अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल की कटाई होने तक उपभोक्ताओं की मांग को पूरा किया जाता है।

साथियों बात अगर हम प्याज महंगे होने के इतिहास की करें तो, प्याज के महंगे होने की कहानी कोई पहली बार की नहीं है। अगर 10 साल पीछे के प्याज कारोबार को देखें तो महंगी प्याज ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। देश की सरकारों को हिलाने के साथ ही यह भी पहला ही मौका था जब किसी सामान के महंगा होने की वजह जानने के लिए जांचआयोग बनाया गया था। हालांकि जमाखोरों और दलालों के चलते आयोग को अपना काम बीच में ही बंद करना पड़ा था। लेकिन बंद होने से पहले आयोग ने यह रिपोर्ट दे दी थी कि प्याज महंगी होने के पीछे कोई एक नहीं कई बड़ी वजह हैं. आपको बता दें कि दिल्ली समेत देशभर में रफ्तार पकड़ रही प्याज के भाव को कंट्रोल करने की कवायद का असर शायद दिखने लगा है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वाह रे प्याज ! अब आंसुओं के सरताज।किचन के बॉस प्याज ने दिखाया दम ! महंगाई का फोड़ा बम।नवरातत्रा समाप्त होते ही त्योहारों के सीजन की दस्तक में प्याज के भाव आसमान छूने लगे!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारत में महिला स्वतंत्रता और अधिकारों का वास्तविक धरातल क्या?

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी रायपुर छत्तीसगढ़

वैश्लेषिक पड़ताल जरूरी।

भारतीय संदर्भ में महिलाओं के विकास स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण की अलग-अलग तस्वीर पेश की जाती रही हैद्य शासकीय आंकड़ों के हिसाब से उच्च प्रशासनिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल 14त्न लगभग भूमिका या भागीदारी है ।निजी क्षेत्रों में जो व्यापक स्वतंत्रता एवं उदारीकरण है, वहां भी महिलाओं की उच्च पदों पर पदस्थापना 20त्न से अधिक नहीं हैद्य सामाजिक संगठन बड़े जोर शोर से महिला स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण के बड़े-बड़े दावे पेश करते हैं, कुल जनसंख्या का 45त्न महिलाओं का होने के बाद भी भारत में महिला पुरुषों से कम दक्ष एवं कमजोर मानी जाती रही हैद्य वास्तविक स्थिति दर्शाये आंकड़ों के विपरीत ही हैं। भूमंडलीकरण शिक्षा में वृद्धि मानव अधिकारों की वृद्धि एवं सजगता से महिला सशक्तिकरण के आंदोलनों को काफी बल प्राप्त हुआ है। शनी सिगनापुर, हाजी अली दरगाह एवं अन्य स्थानों पर महिलाओं के प्रवेश के लिए सशक्त आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण है। आज से 20 वर्ष पूर्ण इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थीद्य वर्तमान ओलंपिक 2021 में पूर्वोत्तर राज्य की मीराबाई चानू ने सिल्वर पदक दिलाकर अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को प्रदर्शित कर यह बता दिया है कि नारी विशेषकर भारत की पुरुषों से कहीं आगे हैं और प्रिया मलिक ने हंगरी में स्वर्ण पदक लाकर बात को प्रमाणित भी कर दिया हैद्य भारत की महिलाएं, साक्षी मलिक ओलंपिक में कांस्य पदक, पी,वी संधू रजत पदक, दीपा मलिक पैरा ओलंपिक में पहली भारतीय महिला द्वारा स्वर्ण प्राप्त,साइना नेहवाल सानिया मिर्जा ने काफी हद तक महिलाओं के स्वरूप को बदलने का प्रयास किया है। इसी प्रकार निजी क्षेत्रों में चंदा कोचर,इंदिरा नूई, अरुंधति भट्टाचार्य ने आर्थिक जगत की नई ऊंचाइयों को छुआ है। अंतरिक्ष में कल्पना चावला सुनीता विलियम्स ने महिलाओं को बड़ी प्रेरणा दी है,

राजनैतिक क्षेत्र में पहली बार नरेंद्र मोदी सरकार ने 9 महिला मंत्रियों को मंत्रिमंडल में जगह देकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी तरह किरण बेदी ने पुलिस प्रशासन में एक बड़ी पताका हासिल कर महिला होने पर गर्व करने के लिए लोगों को मजबूर किया हैद्य

भारत के संदर्भ में यह माना जाए कि जीवन काल में ही महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कम स्वतंत्रता प्राप्त है। बचपन के पश्चात जब महिला विद्यालय, विवाह की ओर अग्रसर होती है, तो उसके पहनावे की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया जाता हैद्य महिलाओं के वस्त्रों के साथ उसके चरित्र की व्याख्या कर दी जाती है। जबकि इस भूमंडलीकरण या वैश्वीकरण के युग में जहां संस्कृति के आदान-प्रदान का बड़ा महत्व है, और महिलाएं आधुनिकरण के लिए आगे बढ़ती हैं, तो उनका परिवार समाज उन्हें इन सब कार्यों से दूर रख बाधित कर विकास की एक धारा को नियंत्रित कर देता है ।और इस तरह उनके मानसिक स्वतंत्रता को रोक कर उन्हें मानसिक दासता का पात्र बना देता है।घरों में समाज में सदैव लड़कों को घर का उत्तराधिकारी मानकर उन्हें प्रत्येक कार्य में वरीयता प्रदान की जाती है,एवं घर की लड़कियों को कमतर आंक कर केवल घर के कामों में ही व्यस्त रखा जाता है।, यह छोटे या बड़े अंतर ही महिलाओं को मानसिक रूप से गुलामी के लिए मजबूर कर वैचारिक हथकड़ियां पहनाते हैं।

हमें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी उनकी भूमिका योगदान एवं स्थिति को एकदम स्पष्ट करना आवश्यक है। बहुत महिलाओं की भूमिका का परीक्षण अत्यंत छोटे स्तर पर करना आवश्यक है। महिलाओं को बचपन से ही मानसिक तथा शारीरिक स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार की प्रेरणा दी जानी चाहिए। धीरे बोलना, धीरे हंसना, बाहरी लोगों से दूर रहना एवं बाहर खेलने नहीं जाने की स्वतंत्रता नहीं देना एक तरह से महिलाओं के लिए प्रताड़ना ही है। यह यदि सुरक्षा के दृष्टिकोण से है, तो निश्चित तौर पर महिलाओं के लिए उपयोगी है। पर महिलाओं को स्वतंत्र रूप से उनके कार्य क्षमता के अनुरूप काम ना करने दिया जाना,महिलाओं के स्वतंत्रता सशक्तिकरण में एक बड़ी रुकावट ही है। इसी तरह पारिवारिक मामलों में परिवार के आर्थिक मामलों में उनकी भूमिका कमजोर या नगण्य होती है। इस प्रकार महिलाओं के जीवन के पूर्व काल में महिलाओं की सुनता को सीमित करने का प्रयास किया जाता रहा है।

हमारे देश के संदर्भ में संवैधानिक व विधिक रुप से संविधान की प्रस्तावना के अनुसार मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य राज्य के नीति निर्देशक तत्व के आधार पर किताबों में महिलाएं स्वतंत्र एवं सशक्त तो हैं। किंतु क्या वास्तविक स्थिति में महिलाएं उतनी स्वतंत्र एवं इतनी सशक्त हैं। जितना कागजों में दिखाया जाता है। महिलाओं को भारत में सशक्त एवं बलशाली करना है,तो उन्हें बचपन से सकारात्मक प्रेरणा देखकर भाई, बहन, चाचा, मामा के बराबरी का अधिकार देकर उनकी शिक्षा शिक्षा मैं वैसे बदलाव लाने की आवश्यकता होगी तब भारत में नारी सशक्तिकरण की सही स्वरूप की अवधारणा बलवती हो पाएगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

इजराइल-हमास लड़ाई पर भी तुष्टिकरण की राजनीति से बाज नहीं आ रहे कुछ राजनीतिक दल

इज़रायल-फिलिस्तीन युद्ध में हमास के क्रूर आतंकी घटना की आलोचना करने की बजाए इजरायल की निंदा करने से साबित हो गया है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल अल्पसंख्यकों के वोट के लिए किस तरह तुष्टिकरण की नीति पर चलते हैं। यही वजह है कि भाजपा विपक्षी दलों पर आक्रामक रुख अख्तियार करती रही है। दरअसल विपक्षी दल आतंकी हमास की निंदा करके देश के अल्पसंख्यक वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहते। इस नए युद्ध की शुरुआत आतंकी संगठन हमास ने की। इसमें सैंकड़ों निर्दोष लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोगों का अपहरण कर लिया। इसके विपरीत इस मुद्दे पर कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपना कर भाजपा को फिर से एक नया मुद्दा थमा दिया।

केंद्र की भाजपा सरकार ने पहले दिन से ही रुख साफ कर दिया कि किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई का भारत समर्थन नहीं करेगा। केन्द्र सरकार की यह नीति जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली आतंकी कार्रवाईयों से प्रभावित है। आश्चर्य की बात यह है कि इस मामले में नये बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस को छोड़ कर ज्यादातर दलों ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। ऐसे मुद्दों पर विपक्षी दल ज्यादातर बचाव या विरोध की नीति ही अपनाते रहे हैं। दरअसल कांग्रेस सहित गैर भाजपा दलों का निशाना भी अल्पसंख्यक वोट बैंक होता है। ऐसे में कोई भी दल सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया जाहिर करने से बचता है। इसमें हमास ने पहले हमला कर युद्ध को आमंत्रित किया, इसलिए विपक्षी दल स्पष्ट प्रतिक्रिया देने से कतरा रहे हैं। इसके विपरीत जम्मू-कश्मीर में धारा 370, तीन तलाक और अयोध्या में राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया जाहिर करने में देर नहीं लगाई। धारा 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर की शांति और तरक्की की हालत सर्वविदित हैं। पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग शून्य हो गई हैं। इस साल पर्यटकों की रिकार्ड आमद दर्ज की गई है। जम्मू-कश्मीर से एक अग्निवीर का दस्ता तक सेना में शामिल हुआ है। जम्मू-कश्मीर में जी20 की बैठक हो चुकी है। इसी से स्पष्ट होता है कि गैरभाजपा दलों को किस तरह से अल्पसंख्यक वोट बैंक के तौर पर नजर आते हैं।

इज़रायल-फिलिस्तीन युद्ध पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फिलिस्तीन के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें निराशा और पीड़ा व्यक्त की और फिलिस्तीनी लोगों के भूमि (और) स्वशासन, गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार के प्रति अपने समर्थन को तवज्जों दी। हमास ने जिस तरह बच्चों और महिलाओं के कत्ल करके इंसानियत को शर्मसार किया, उस पर कांग्रेस ने एक शब्द भी नहीं कहा और ना ही अपहत लोगों को रिहा किए जाने की अपील की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी का हमेशा मानना रहा है कि इजरायलियों की राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को सुनिश्चित करते हुए फिलिस्तीन के लोगों की वैध आकांक्षाओं को बातचीत के माध्यम से पूरा किया जाना चाहिए। कांग्रेस के इस बयान पर भाजपा ने जोरदार हमला बोला।

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने एक पोस्ट में कांग्रेस के बयान को अत्यंत निंदनीय बताया। विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर राष्ट्रनीति और राष्ट्रहित के खिलाफ फैसला लेते हुए प्रस्ताव पारित किया है। एक धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए कांग्रेस किस हद तक गिर सकती है? उन्होंने कहा, अब कांग्रेस आतंकवाद से भी समझौता करने को तैयार है। हम और हमारी पार्टी भी विपक्ष में रही हैं लेकिन कभी भी राष्ट्रहित के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया। कांग्रेस का हाथ आतंकवाद के साथ है। अपने प्रस्ताव में कांग्रेस ने कहा कि सीडब्ल्यूसी मध्य पूर्व में छिड़े युद्ध पर अपनी निराशा और पीड़ा व्यक्त करती है, जहां पिछले दो दिनों में एक हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

भाजपा ने हमलावर रुख अख्तियार करते हुए कांग्रेस के शासन के दौरान हुई आतंकी वारदातों को गिना दिया। इसका एक वीडियो जारी करते हुए भाजपा ने कहा कि यूपीए के समय जून 2004 से मई 2014 तक भारत में 10, 262 आतंकी हमले हुए। जिसमें 7012 नागरिकों की जान गई। 2014 में देश में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई। जिसके बाद 2016 में पीओके में सर्जिकल स्ट्राइक हुई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इजराइल और हमास से जुड़े युद्ध के बीच कांग्रेस के प्रस्ताव की तुलना पाकिस्तान और तालिबान से की और आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देश के हित का बलिदान करना उसके डीएनए में है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रस्ताव में पाकिस्तान और तालिबान के बयानों से काफी समानताएं हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, पाकिस्तान और तालिबान हमास की निंदा नहीं करते। इजराइल पर आतंकवादी हमले की निंदा नहीं करते और बंधक महिलाओं और बच्चों के संबंध में चुप हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देशहित की बलि चढ़ाना कांग्रेस के डीएनए में है। कांग्रेस बेशक फिलीस्तीन की दुहाई की आड़ में हमास की आतंकी कार्रवाई की निंदा से बेशक बच रही हो किन्तु खाड़ी के कुछ देशों ने इसकी भर्त्सना की है।

संयुक्त अरब अमीरात ने हमास के हमले को गंभीर और तनाव बढ़ाने वाला बताया था। यूएई के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा था कि वो इसराइली नागरिकों को उनके घरों से अगवा कर के बंदी बनाए जाने की ख़बरों से स्तब्ध है। बहरीन ने भी हमास के हमलों की आलोचना की है। बहरीन ने कहा था कि हमले ने तनाव को ख़तरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है, जिससे आम लोगों की जान जोखिम में पड़ गई है। इन दोनों देशों के ये बयान उनके पहले के रुख़ से अलग है, जब पूरा अरब वर्ल्ड इसराइल के खिलाफ एक सुर में बोलता था। ईरान खुलकर हमास का समर्थन कर रहा है और इसराइल पर सीधे उंगली उठा रहा है। ईरान के हितों का अपना समीकरण है और उसी के हिसाब से वह प्रतिक्रिया दे रहा है। क़तर ने इसराइल को इस तनाव का अकेला जिम्मेदार बताया है। मलेशिया, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने भी फ़िलस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाया है। खाड़ी देशों के इस तरह अलग-अलग बयानों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्व में देशों के रिश्ते किस तरह बदल रहे हैं। इसके विपरीत कांग्रेस सहित भारत के विपक्षी दल अभी तक ऐसे मसलों को सिर्फ वोट बैंक से नजरिए से देखते रहे हैं। भारत के संबंध खाड़ी देशों से लगातार बेहतर हो रहे हैं।

-योगेन्द्र योगी

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चंदा मामा

चंदा मामा-चंदा मामा,
क्यों? आसमान मे रहते हो
दिन भर निंदिया रानी साथ होती,
और सारी रात आप जगते हो
चंदा मामा-चंदा मामा,
कभी मेरे घर भी घूमने आओ
पुये बनाएंगे गुड़ के आपके लिए,
हम सबके साथ मिल के खाओ
चंदा मामा-चंदा मामा,
हमें भी आसमां कि सैर करा दो
आपसे मिलने का
जब मन करे मेरा,
आ पाऊं आपके घर तक,ऐसी
सीढ़ी बना दो
चंदा मामा-चंदा मामा,
आसमां से धरती का
नजारा दिखा दो
आपके दोस्त तारे,
सितारों साथ हम भी खेले,
हमारी भी जरा जान पहचान
करा दो

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नितेश कुमार दिवाकर
बैकुंठपुर छत्तीसगढ़

भाग्य में विधाता से कुछ नहीं मिला

धरती की कोख से पानी नहीं मिला
रहने को भूमि मिली बंजर मरुधरा
फिर भी दुर्भाग्य का हमें नहीं गिला
खाने को दो फाग का बाजरा मिला
पीने का पानी भी बारिश का मिला
खेजड़ी के साथ अरावली की पहाड़ी
मौसम में हम को अकाल ही मिला
जौहर जलती रही ज्वाला में मिला
शाखा केसरिया बाना पहनें मिला
स्वाभिमान से हम जिवन को जीते
शौर्य से हल्दीघाटी गाटी मे युध मिला
देश को इतिहास राजस्थान से मिला
धर्म की रक्षा हेतु हम को युध मिला
मातृभूमि की प्यास भी लहू से बुझाई
फिर भी जन गण में स्थान नहीं मिला

लीलाधर चौबिसा
(अनिल)
चित्तौड़गढ़
राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पार्थ करो तैयार हे गोविंद

कुरू क्षेत्र की रण भेड़ी
अब बजने को तैयार
पार्थ करो तैयार हे
गोविंद हां पार्थ करो तैयार...
निज स्वार्थ में जनता डूबी और
निज स्वार्थ में सरकार
निरीह और बेबस जनता
जाकर करे कहां गुहार
सबने बंधा आंखो पर
पट्टी सुनने को न कोई तैयार
आगे बस अंधकार की
छाया डूब रहा आधार
पार्थ करो तैयार हे गोविंद
हां पार्थ करो तैयार...
पुत्र मोह हावी है उस पर
गद्दी से है प्यार
नए नए हथकंडों से
भ्रमित कर रहा संसार
झूठ पुलिंदा बांध बांध कर
ठगने को तैयार
जनता उसके कुकुर भोंक को
बेबस सुनने को तैयार
पार्थ करो तैयार हे गोविंद
हां पार्थ करो तैयार...
भीष्म बंधे हैं भीष्म प्रतिज्ञा
बंधे पड़े है उनके हाथ
ज्ञान पिटारा बगल किए
विदुर खड़े कोने चुप चाप
सूर्य पुत्र भी दबे पड़े हैं
दुर्योधन के किए उपकार
धृतराष्ट्र के अंदर बैठा
सत्ता का बस प्यार
पार्थ करो तैयार हे गोविंद
हां पार्थ करो तैयार...
चक्रव्यू की हो रही तैयारी
कुटिलों की है कुलिल चाल
अभिमन्यु के वध का बस
रचा जा रहा है जाल
मत फंसना उस धूर्त
जयद्रथ के बहकावे में आप
जरूरी हो तो जरूर पकड़ना आज
सुदर्शन अपने हाथ
विफल करना हर घात को
बस इसको रखना केवल याद
पार्थ करो तैयार हे गोविंद
हां पार्थ करो तैयार...

कमलेश झा
नगरपारा
भागलपुर
बिहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

चुनावी चाय व समोसे के लिए 10 रुपए 20 रुपए तक की माला पहनेंगे नेता जी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी अधिकतम 40 लाख रुपए ही खर्च कर सकते हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने खर्च की सीमा तय कर दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव सामग्रियों की एक लिस्ट जारी की है। इसके तहत प्रत्याशी किस मद में कितना खर्च कर सकते हैं, इसका ब्योरा है। प्रति चुनावी चाय व समोसे के लिए 10 रुपए निर्धारित किया गया है। प्रत्याशी अपने कार्यकर्ताओं को चुनाव के दौरान 100 रुपए की नॉर्मल तथा 180 रुपए तक की ही स्पेशल थाली खिला सकते हैं।

चुनाव आयोग द्वारा इस बार प्रत्याशियों के खर्चे में 20 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी की गई है। वर्ष 2018 में चुनावी खर्च सीमा 28 लाख रुपए थी। इस बार इसे बढ़ाकर 40 लाख रुपए कर दिया गया है। इसी के साथ विभिन्न आइटम्स की रेट लिस्ट भी जारी कर दी गई है। चुनाव के दौरान प्रत्याशी 10 रुपए की चाय व 10 रुपए का समोसा खिला सकते हैं। इसके अलावा नेताजी 20 रुपए तक की ही माला पहन सकेंगे। चुनाव प्रचार के दौरान कार्यकर्ताओं के लिए लंच-डिनर, सभा- रैलियों में पहनाए जाने वाले साफे, नाश्ते में दिए जाने वाले लड्डू व नमकीन समेत अन्य चीजों की कीमतों में इजाफा किया गया है। नेता जी लंच की कीमत 100 रुपए और डिनर के लिए 50 रुपए प्रति पैकेट खर्च कर सकेंगे।

वाहनों से चुनाव प्रचार पड़ेगाा महंगा

इस बार लग्जरी कार और बड़ी एसयूवी में बैठकर चुनाव प्रचार करना भी प्रत्याशियों को महंगा पड़ेगा। वहीं बैट्री रिक्शा पर फ्लैक्स-बैनर लगाकर उस पर लाउड स्पीकर के जरिए चुनाव प्रचार करवाने का खर्च भी बढ़ा दिया गया है। आयोग ने वाहनों का प्रतिदिन का रेट 15 प्रतिशत तक बढ़ाया है।

नाश्ता व भोजन (राशि रुपए में)

लंच	100	प्रति पैकेट
स्वल्पाहार	50	प्रति पैकेट
पानी	10-20	प्रति लीटर
चाय	10	प्रति कप
कॉफी	15	प्रति कप
भोजन	100-180	प्रति थाली
दोसा	30	प्रति प्लेट
5 पूड़ी सब्जी	30	
गुलाब जामुन	10	प्रति नग
रसगुल्ला	15	प्रति नग
समोसा	10	प्रति नग
जलेबी	20	प्लेट
इडली	30	प्लेट
कचौड़ी	10	प्रति नग

वाहन किराया

जाईलो, स्कॉर्पियो, डस्टर, क्रिस्टा, केटा	2250	
2063		
जेस्ट, स्वीफ्ट, इंडिगो तथा अन्य	2060	1970
होण्डा सिटी, सियाज, वरना, सेडान	2345	1875
15 सीटर बस ----	2025	
16 से 25 सीटर बस ----	2475	
26 से 34 सीटर बस ----	2925	
35 से 50 सीटर बस ----	3375	
51 सीटर से ऊपर ----	3825	

स्वागत सामग्री (राशि रुपए में)

गेंदा माला	20 प्रति नग
महामाला	6000 प्रति नग
बुके सामान्य	200 प्रति नग
बुके गुलाब	400 प्रति नग
गुलदस्ता	100 प्रति नग
स्टेज डेकोरेशन	375 फीट
नाचा पार्टी समूह	3000 प्रति दिन
ढोल पंजाबी	5000 प्रति दिन
बैंड पार्टी	15000 प्रति दिन
संगीत सभा	5000 2 घंटे

सरगुजा की बास्केटबॉल खिलाड़ी उर्वशी ने गोवा में लहराया छत्तीसगढ़ का परचम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा शुरुआती दौर से ही बास्केटबॉल का नर्सरी रहा है। यहां से कई प्रतिभाएं निकली, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर तक सरगुजा का नाम अपने जौहर की बदौलत पहुंचाया है। इसी क्रम में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ की राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी उर्वशी बघेल ने गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल में छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिला टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए ब्रोंज मेडल जीता।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि उर्वशी बघेल शुरू से सरगुजा के बास्केटबॉल ग्राउंड में अभ्यास करती थीं। उर्वशी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेते अपनी एक अलग पहचान बनाई। इसके बदौलत उन्हें रेलवे में नौकरी मिली है। उर्वशी बघेल ने अब तक अंडर-14 सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप चेन्नई 2015 में स्वर्ण पदक, अंडर-14 सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप हैदराबाद 2016 में स्वर्ण पदक, अंडर-17 यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप हैदराबाद 2017 में चौथा स्थान, अंडर-17 स्कूल नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप दिल्ली 2018, अंडर-17 खेलो इंडिया खेलो बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2018 पुणे, अंडर-17 यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप कोयंबटूर 2018 में चौथा स्थान, बेंगलुरु में अंडर-17 महिला भारतीय कैंप 2019, अंडर-18 जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप इंदौर 2022 में कांस्य पदक, ऑल इंडिया इंटर रेलवे बास्केटबॉल चैंपियनशिप कोलकाता 2022, ऑल इंडिया इंटर रेलवे बास्केटबॉल चैंपियनशिप दिल्ली 2023, 37वीं राष्ट्रीय खेल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप गोवा 2023 में कांस्य पदक जीता है। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के सभी पदाधिकारियों व खेल संघों ने राष्ट्रीय खेल में मिली बड़ी उपलब्धि के लिए उर्वशी बघेल को बधाई दी।

शतरंज सब जूनियर प्रतियोगिता में बालक वर्ग से दिग्यांश व बालिका वर्ग से स्नेहा प्रथम

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

शतरंज भवन अंबिकापुर में बीते दिवस एक दिवसीय सब जूनियर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में 16 खिलाडियों ने भाग लिया। बालक वर्ग में यिग्यांश गुप्ता प्रथम, रोहन गुप्ता द्वितीय एवं अनुराग यादव तृतीय स्थान प्राप्त किए। बालिका वर्ग में स्नेहा गुप्ता प्रथम, भाविका वर्मा द्वितीय एवं आनवी वर्मा तृतीय स्थान प्राप्त किए। प्रतियोगिता अनीस अंसारी फीडे आर्बिटर के द्वारा संपन्न कराया गया। समापन के अवसर पर शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा ने बच्चों को अधिक से अधिक अभ्यास करने एवं प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रेरित किया ताकि उनके खेल में और निखार आ सके। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी एस.एस.पी. वर्मा, शेषरतन जायसवाल, सत्यजीत मिश्रा, एस.एम. कुरैशी व बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

बुजुर्ग की हुई मौत जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
लखनपुर, 28 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलदगी उतारपारा में पण्डो जनजाति बुजुर्ग की मौत हो गई। लखनपुर पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर जांच की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मानसाय पंडो पिता स्वर्गीय मंगल साय पडो उम्र 75 वर्ष ग्राम बेलदगी थाना लखनपुर निवासी 26 अक्टूबर को किसी बात को लेकर अपने पत्नी रजमनिया पंडो को धकेल दिया था। महिला गिरकर घायल हो गई ।इस बात से नाराज़ पुत्र रामनारायण पण्डो अपने पिता मानसाय पड़ो को दो तीन थप्पड़ जड़ दिया था । रामनारायण पण्डो अपने मां का ईलाज कराने हेतू लखनपुर अस्पताल ले आया उपचार कराने के बाद घर वापस लौट गये थे। 27 अक्टूबर शुक्रवार की शाम बिना खाना खाये लगातार शराब पीने कारण मानसाय पण्डो बेहोश हो गया।

परिवार जनों द्वारा बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर लाया गया जहां डाक्टरों ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना परिवार वालों ने 28 अक्टूबर दिन शनिवार थाना लखनपुर को दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बुजुर्ग पड़ो की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है।

उडऩ्दस्ता टीम ने जब्त किए 300 प्रिंटेड झोले में साल और साड़ी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

नामांकन दाखिल करने के बाद सरगुजा जिले में खासकर कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों का मैदानी सफर शुरू हो गया है। घरों में दस्तक देने सिर्फ प्रत्याशी नहीं बल्कि इनके कार्यकर्ता भी पहुंचने लगे हैं। ग्रामीण ही नहीं शहरी क्षेत्रों में भी उपहार के रूप में चिन्हांकित घरों तक कुछ न कुछ पहुंच रहा है। इधर चुनावी आचार संहिता का पालन कराने में लगी प्रशासन व पुलिस की टीम ऐसी सूचनाओं के प्रति गंभीर है।

इसी कड़ी में अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर में उडऩ्दस्ता दल की टीम ने भाजपा प्रत्याशी के नाम से प्रिंट किए हुए 300 नग झोला में साल व साड़ी जब्त किया है। इसे जब्त कर पंचनामा बनाते हुए लखनपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। थाना प्रभारी लखनपुर का कहना है कि जांच के दौरान कार क्रमांक सीजी 04 एचडी 4381 में तीन बोरियों में भरा झोला व साल मिला है। उडऩ्दस्ता दल के द्वारा उक्त कार्रवाई की गई है। बता दें कि मतदान की तिथि करीब आने के साथ ही मतदाताओं को लुभाने का सिलसिला बढ़ रहा है। सबकी नजर एक दूसरे पर है। मतदाता भी कम नहीं हैं। वे भी कब किसके यहां कौन दस्तक दे रहा है, इस पर नजर रखे हैं। कंट्रोल रूम तक सूचनाओं का आदान-प्रदान त्वरित होने से कार्रवाई भी तीव्रता से हो रही है। किसी भी सूचना को अधिकारी गंभीरता से लेने में लगे हैं।

निर्वाचन कर्मियों की मृत्यु या घायल होने पर अनुग्रह प्रतिकर भुगतान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सर्वसम्बन्धितों को पत्र जारी कर विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के दौरान निर्वाचन कर्तव्य के दौरान निर्वाचन कर्मियों की मृत्यु या घायल होने पर अनुग्रह प्रतिकर भुगतान संबंधी प्रस्ताव भेजने कहा है। जारी पत्र में प्रकरणों का प्रस्ताव के दस्तावेजों को निर्धारित क्रम तथा प्रारूप में प्रेषित करने कहा गया है। छत्तीसगढ़ राज्य अनुग्रह प्रतिकर भुगतान नियम 2009 के नियम-7 के तहत परीक्षण किये जाने दस्तावेजों में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अनुशंसा सहित प्रस्ताव, मृतक की सेवा पुस्तिका में अंकित नॉमिनेशन फॉर्म की सत्यापित छायाप्रति, निकटतम पुलिस थाना में दाखिल प्रथम सूचना प्रतिवेदन संलग्न, डाक्टरी मुलाहिजा प्रतिवेदन अथवा पोस्टमार्टम प्रतिवेदन संलग्न, वैध उत्तराधिकारी का पासपोर्ट साईज की सत्यापित फोटो, अधिकारी/ कर्मचारी या मृत के नाम से जारी निर्वाचन कर्तव्य की प्रति शामिल है।

कांग्रेस हैट्रिक तो भाजपा तीन दो से बढ़त बनाने के लिए कमर कसके तैयार

- ओंकार पाण्डेय -
सुरजपुर,28 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

जिले के अनारक्षित भटगांव विधान सभा सीट पर राजनीतिक पार्टी के प्रमुख दल भाजपा कांग्रेस दोनो ने ही रजवार समाज पर भरोसा जताया है। जहां प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने पिछले चुनाव की भांति वर्तमान विधायक पारस नाथ राजवाड़े पर लगातार तीसरी बार विश्वाश कर पुनः चुनावी मैदान में उतारा है। वही भाजपा ने सीटिंग एम एल ए से चुनावी युद्ध में दो दो हाथ करने तेज तर्रार जिला पंचायत सदस्य युवा महिला नेत्री भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी राजवाड़े को चुनावी रणभूमि का योद्धा बनाया है। चुनाव को लेकर लगातार दो बार विधायक रहे श्री राजवाड़े हैट्रिक मारने के फिराक में है । वही दो महीने पहले से अपने पार्टी से घोषित उम्मीदवार श्रीमती राजवाड़े जिला पंचायत से विधायक बनने कमर कस मैदान में लड़ने तरह तरह की रणनीति बना रही है और डटी हुई है।

भटगांव विधानसभा का पुराना है इतिहास

भटगांव सीट की इतिहास की बात करे तो पहले ये पिलखा विधान सभा में आता था परिसीमन के पश्चात 2018 में सृजित होकर नए विधान सभा का गठन हुआ । और अनारक्षित सीट के रूप में अस्तित्व में आया।

2008 से अब तक किस ने मारी बाजी

सुरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा सीट पर सबसे पहले चुनाव में भाजपा ने बाजी मारी। चार बार हुए चुनाव में कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस ने जीत दर्ज की । इस सीट पर हुए पहले चुनाव में पंडित रविशंकर त्रिपाठी पहले विधायक बनें।दो वर्ष बाद उनके दुर्घटना में हुए असामयिक निधन के पश्चात उप चुनाव में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रजनी त्रिपाठी को मतदाताओं ने विधायक के रूप में चुना। 2013 में हुए चुनाव में भाजपा से छीन कर कांग्रेस ने चुनाव जीत कर अपनी झोली में कर लिया। पिछले रिकार्ड की बात करे तो कांग्रेस लगातार दो मर्तबे जीत दर्ज करते आ रही है। शुरुआती दौर 2008 में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। कभी भाजपा तो कभी कांग्रेस ने अपना अपना दम दिखाया। अभी इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवार के बीच सीधा मुकाबला पूर्व की भांति दिखता नजर आ रहा है। हालाकि नाम वापसी के अंतिम दिन के पश्चात ही पता चल सकेगा। गौर तलब है कि छत्तीसगढ़ के सरगुजा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र स्थित सूरजपुर जिला काले हीरे के भंडार के लिए महशूर है। इस जिले का भटगांव विधानसभा का चुनावी इतिहास काफी लंबा तो नहीं है, लेकिन सरगुजा संभाग के 14विधानसभा सीटों में से एक भटगांव जिसकी एक अपनी अलग पहचान है। इस सीट पर अब तक चार बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। जिसमे दोनो पार्टी अभी तक बराबरी पर रही है। दो बार भाजपा के विधायक चुनावी जीत का स्वाद चखा तो वही कांग्रेस भी कम नहीं रही वो भी दो बारी चुनावी लड़ाई में फतह हासिल की है। जिससे दिनों पार्टी बराबरी पर है।

जिसमें तत्कालीन विधायक स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी की सड़क हादसे में हुई असामयिक मौत के उपरांत एक बार का उपचुनाव भी शामिल है। यहां हुए चार बार के चुनाव में दो बार बीजेपी को, तो वहीं दो बार कांग्रेस को जीत मिली है। मध्यप्रदेश की सरहद इलाके को छूने वाले इस विधानसभा में पिछले दो चुनाव में क्षेत्र की जनता ने लगातार दो बार बाहरी प्रत्याशी को हार का स्वाद चखाया है। वहीं स्थानीय उम्मीदवार पर मतदाताओं ने भरोसा जताया किंतु इससे पूर्व पहले चुनाव में भी स्थानीय व बाहरी प्रत्याशी का मुद्दा भी उठा। किंतु राजनीति के मझे हुए खिलाड़ी रहे पंडित रवि शंकर त्रिपाठी ने इस मुद्दे को गरमाने से पहले ही ठंडा कर दिया। क्षेत्र के लोगो को अपना बना न केवल उन्होंने दर्ज की बल्कि अपने सभी प्रतिद्वंदियों के जमानत भी जप्त करा दिए। जबकि उक्त चुनाव में सर्वाधिक 29 प्रत्याशी मैदान मे थे।

दो दो ईवीएम मशीन लगानी पड़ी थी

2008 के चुनाव में अत्यधिक प्रताशी होने के कारण दो दो ईवीएम मशीन चुनाव आयोग को लगाना पड़ा था तब जाकर मतदान संपन्न हो सका था ।

विदित हो कि अविभाजित सरगुजा जिले के समय वर्ष 2008 में परिसीमन के पश्चात पिलखा और पाल विधानसभा से टूटकर भटगांव, प्रतापपुर और रामानुजगंज विधानसभा बना था। जो वर्ष 2012 में नवीन जिला सूरजपुर बनने के पश्चात भटगांव विधानसभा सूरजपुर का हिस्सा बना। अविभाजित सरगुजा जिला के समय वर्ष 2008 में पहली बार भटगांव विधानसभा सीट के लिए चुनाव हुआ। जिसमें जिले की इस सामान्य सीट पर हुए पहले चुनाव में जमकर घमासान देखने को मिला।

साल 2008 के चुनाव में भाजपा की जीत

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के दर्जन भर दावेदारो के द्वारा निर्दलीय पर्चा दाखिल कर चुनावी मैदान में उतरकर जीतने हेतु एड़ी-चोटी लगा दी गई थी। उस समय इस चुनाव में कांग्रेस और भाजपा समेत कुल 29 उम्मीदवार मैदान में थे। लेकिन बीजेपी को छोड़कर सभी 28 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। इसमें मुख्य रूप से प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के उम्मीदवार श्यामलाल जायसवाल भी शामिल थे। वर्ष 2008 के चुनावी नतीजों पर अगर नजर डालें तो इस चुनाव में भाजपा के रविशंकर त्रिपाठी 17 हजार 433 वोट से विजयी हुए थे। इस जीत के साथ रविशंकर त्रिपाठी पहली बार विधायक चुने गए। इस सीट पर पहले चुनाव में भाजपा ने यहां से खाता खोला था।

सड़क हादसे में विधायक आकस्मिक निधन पर हुए उपचुनाव

करीब पौने दो साल कार्यकाल पूरा करने के बाद भटगांव विधानसभा से विधायक रविशंकर त्रिपाठी की 9 अप्रैल 2010 को रायगढ़ जिले के घरघोडा के पास एक हृदय विदारक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इस विधानसभा सीट के लिए पुनः उपचुनाव की घोषणा हुई। अक्टूबर 2010 में इस सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी ने दिवंगत विधायक रविशंकर त्रिपाठी की धर्मपत्नी रजनी रविशंकर त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार घोषित किया।

तो वही दूसरी तरफ उप चुनाव में कांग्रेस ने यू एस सिंहदेव को अपना प्रत्याशी बनाया था।

लेकिन एक ही पंचवर्षीय में हुए दूसरे चुनाव उप चुनाव में भी कांग्रेस प्रत्याशी पराजित हुए थे । सहानुभूति की आंधी में रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता यूएस सिंहदेव को करीब 35 हजार वोटों से हरा दिया था । अपने दिवंगत पति की सीट पर भटगांव की दूसरी विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी विधानसभा तक पहुंची थी।

2013 में स्थानीय उम्मीदवार पर जताया भरोसा

इस सीट पर तीसरा* चुनाव वर्ष 2013 में सम्पन्न हुआ। इस दौरान कांग्रेस ने राजनैतिक समीकरण के साथ स्थानीय उम्मीदवार पारसनाथ राजवाड़े पर दांव खेला। वहीं भाजपा ने सिटिंग विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी को फिर से अपना उम्मीदवार घोषित किया। किंतु इस बार भाजपा का दांव कुछ उल्टा हो गया। एक बार फिर स्थानीय व बाहरी का मुद्दा उठा और बड़ी तेजी से सुलग गया क्षेत्र की जनता ने स्थानीय उम्मीदवार के प्रति अपना झुकाव दिखाया। लिहाजा वर्ष 2013 के चुनाव में कांग्रेस के पारसनाथ राजवाड़े पर मतदाताओं ने अपना भरोसा जता जीत दिलाई।

2013 के इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार पारसनाथ राजवाड़े ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा की उम्मीदवार रजनी रविशंकर त्रिपाठी को 7368 वोट से पराजित कर यह सीट अपने नाम की। इस सीट पर कांग्रेस पहली बार अपना खाता खोलने में सफल रही। वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी 8163 वोट के साथ तीसरे स्थान और बसपा के प्रत्याशी नरेंद्र कुमार साहू को 5496 वोट के साथ चौथे स्थान पर रहे।

2018 के चुनाव में कांग्रेस ने मारी बाजी

बीते तीन चुनाव में दो बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की जीत के बाद 2018 के चुनाव में पुनः कांग्रेस ने भाजपा को पराजित कर यह सीट अपने नाम करने में सफल रही। दूसरी जीत दर्ज कर कांग्रेस ने भाजपा से बराबरी की। वर्ष 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने मौजूदा विधायक पारसनाथ राजवाड़े पर फिर दांव खेला था।

बाहरी और स्थानीय उम्मीदवार उतरे थे चुनावी मैदान में

वहीं भाजपा ने एक बार फिर रजनी रविशंकर त्रिपाठी पर भरोसा किया। इस बार भी बाहरी और स्थानीय उम्मीदवार की आंधी में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। साथ ही इस बार कांग्रेस के वोट शेयर में इजाफा हुआ। इस चुनाव में भाजपा की निकटतम प्रतिद्वंद्वी रजनी रविशंकर त्रिपाठी को पारसनाथ राजवाड़े ने 15 हजार 734 वोट से पराजित किया। वहीं वोट की बात करें तो कांग्रेस के पारसनाथ राजवाड़े को कुल 74 हजार 623 वोट मिले। तो वहीं भाजपा की रजनी रविशंकर त्रिपाठी को कुल 58 हजार 889 वोट मिले। जबकि 2013 के इस विधानसभा चुनाव में सामान्य सीट भटगांव में मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा-कांग्रेस के अलावा 21 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे।

भाजपा ने स्थानीय उम्मीदवार पर खेल बड़ा दांव

बीते दो विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिल रही करारी हार के पश्चात भाजपा ने रणनीति बदलकर स्थानीय एवं जातिगत समीकरण का कार्ड खेल कांग्रेस की गढ़ से भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी राजवाड़े को अपना उम्मीदवार घोषित कर अपने विरोधियों को चारों खानेचित्त करने का रणनीति अपनाई है।

भाजपा यह मान रही है कि इस विधानसभा में राजवाड़े समाज के मतदाता की संख्या अच्छी-खासी है और मौजूदा विधायक भी राजवाड़े समाज से ही आते हैं। ऐसे में लक्ष्मी राजवाड़े को भाजपा से उम्मीदवार बनाए जाने से यह सीट भाजपा के खाते में आ सकती है। लक्ष्मी राजवाड़े एक महिला होने के साथ-साथ यंग होने के कारण एक युवा चेहरा भी हैं। जो युवाओं के बीच आइकॉन बनकर उभरा रही है साथ ही जिला पंचायत सदस्य होने के नाते युवाओं में भी इनकी अच्छी पकड़ भी बताई जा रही है। जिसका फायदा चुनाव में देखने को मिल सकता हैं।

इस सीट पर कांग्रेस ने पुराने चेहरे पर लगाया दांव

छत्तीसगढ़ में चुनाव की तिथि घोषित होने के उपरांत भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मी राजवाड़े लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क कर रही हैं। तो वहीं कांग्रेस ने भले देर उम्मीदवार की घोषणा की किंतु पुराने चेहरे पर दाव लगाना मुनासिब समझा और पारस नाथ राजवाड़े के नाम पर मोहर लगा दी । जो अपना नामांकन भी दाखिल कर चुके है।

भटगांव विधानसभा चुनाव क्षेत्र

उम्मीदवार का नाम पार्टी वोट स्थिति

पारस नाथ रजवाड़े जीते 7368 वोटों के अंतर से भटगांव अनारक्षित विधानसभा सीट छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले की एक सीट है. ये सूरजपुर लोकसभा सीट का हिस्सा है, जो उत्तर इलाके में पड़ता है.

इस विधानसभा सीट में वोटरों की कुल संख्या 201123 है.

2013 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर पारस नाथ रजवाड़े (कांग्रेस) ने 67339 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी. उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को 7368 मतों के अंतर से हराया. दूसरा स्थान (59971) वोटों के साथ रजनी रविशंकर त्रिपाठी (बीजेपी) को मिला. तीसरा स्थान (8163) वोटों के साथ राम आधीन पोया (जीजीपी) का रहा. (5496) वोटों के साथ बीएसपी को चौथा स्थान को मिला.

चुनाव में कुल 162189 मत पड़े थे. कुल 80.64त्न मतदान हुआ

उम्मीदवार सूची 2018

क्रम उम्मीदवार का नाम पार्टी
1 पारस नाथ राजवाड़े
2 रजनी रविशंकर त्रिपाठी भाजपा
3 सुरेंद्र लाल सिंह नेटी सी पी आई एम
4 मोहन सिंह टेकाम शिव सेना
5 राम अधीन पोया समाजवादी पार्टी
6 राम लाल राजवाड़े भारतीय पंचायत पार्टी
7 सुरेंद्र चौधरी जेसीसी जे
8 डी के सोनी आप
9 आनंद राजवाड़े निर्दलीय
10 आलम साय सिंह निर्दलीय
11 उपेंद्र गुप्ता निर्दलीय
12 ओम प्रकाश सोनवानी निर्दलीय
13 कुमावत सांडिल्य निर्दलीय
14 तिलकेश्वर प्रसाद राजवाड़े निर्दलीय
15 दिलीप यादव
16 मधु तिवारी निर्दलीय
17 लवकेश ठाकुर निर्दलीय
18 साहेबान प्रसाद भगत निर्दलीय
19 सीताराम भास्कर निर्दलीय
20 हरी भगत यादव निर्दलीय

2013 में किसे मिले कितने वोट

पार्टीउम्मीदवार का नाम वोट त्नवोट
कांग्रेस पारस नाथ रजवाड़े 67339
41.52 प्रतिशत बीजेपी रजनी रविशंकर त्रिपाठी 59971 36.98 प्रतिशत
जीजीपी राम आधीन पोया 8163
5.03 प्रतिशत बीएसपी नरेंद्र कुमार साहू (नीतू)
5496 3.39 प्रतिशत चुनाव में कुल 162189 मत पड़े थे. कुल 80.64त्न मतदान हुआ

चुनाव नतीजे

कांग्रेस उम्मीदवार पारस नाथ रजवाड़े 7368 वोट के अंतर से जीते.

भटगांव* *परिणाम*
कुल वोट 162189 (80.64%)
कांग्रेस (41.52%)
बीजेपी (36.98%)
जीजीपी (5.03%)
बीएसपी (3.39%) आम आदमी पार्टी ने भटगांव से सुरेंद्र गुप्ता को प्रत्याशी बनाया है। श्री गुप्ता भी अपना वजूद तलाशने क्षेत्र में सघन जन संपर्क कर रहे है। वही कई अन्य दल सहित निर्दलीय प्रत्याशी चुनावी समर में शामिल होने कमर कश कर तैयार है।

पीएम शेख हसीना के इस्तीफे की मांग,रैलियों को लेकर तनाव,पुलिस के साथ झड़प,अर्धसैनिक बल मुस्तैद

ढाका,28 अक्टूबर 2023। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की आशंका के बीच अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे मुख्य विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं की ढाका में पुलिस के साथ झड़प हो गई। सत्तारूढ़ अवामी लीग ने भी शांति रैली आयोजित की। इसी समय प्रतिद्वंद्वी दलों की राजनीतिक रैलियों के कारण तनाव बढ़ गया। हालात पर काबू पाने के मद्देनजर शनिवार को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक सीमा रक्षकों को तैनात किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व में मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अंतरिम सरकार के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की मांग की। चुनाव की अनुमति देने के लिए प्रधानमंत्री हसीना के इस्तीफे की मांग भी हो रही है। इस्तीफे पर जोर देने के लिए ढाका में बीएनपी ने भव्य रैली का आयोजन किया।

प्रत्यक्षदर्शियों और निजी टीवी चैनलों के अनुसार, बीएनपी के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने ककरैल में एक पुलिस बूथ को आग लगा दी। मुख्य न्यायाधीश के आवास पर भी पथराव हुआ। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों को क्षतिग्रस्त भी कर दिया। मौके पर तैनात सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कुछ जगहों पर लाठीचार्ज की भी खबरें हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक टीवी फुटेज में प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के साथ अर्धसैनिक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को भी घटनास्थल पर देखा गया।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के प्रमुख हारुनूर रशीद ने बताया, ÷बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकारी प्रतिष्ठानों और संपत्ति पर हमला किया, कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए और उन्हें केंद्रीय पुलिस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो भी उनके हमले की चपेट में आया।

खबरों के अनुसार बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल ने रविवार को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। उनकी रैली को विफल करने और उनके कार्यकर्ताओं पर हमला करने की पुलिस कार्रवाई के विरोध में, पिछले कई वर्षों में पहली हड़ताल की गई है।

प्रधानमंत्री हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी ने भी बैतुल मोकर्रम राष्ट्र मस्जिद के दक्षिणी गेट पर हजारों समर्थकों को इकट्ठा कर शांति रैली का आयोजन किया। इसी समय बीएनपी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के नया पलटन केंद्रीय कार्यालय के आसपास रैली की। राजनीतिक रैलियों की दोनों जगहें ढाका शहर में ही है।

रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षाबलों ने लाठियों और पत्थरों से लैस प्रतिद्वंद्वी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों को रोकने के लिए पानी की बौछारों का सहारा लिया। दंगाइयों से निपटने के लिए पुलिस ने पुराना पलटन क्षेत्र में बफर जोन बनाए। दोनों दलों को अपनी पसंद के स्थानों पर रैलियां आयोजित करने के लिए कल देर रात पुलिस की अनुमति मिल गई, लेकिन हालात न बिगड़े ये सुनिश्चित करने के लिए कई शर्तें लगाई गईं।

पुलिस की शर्तों को धता बताते हुए, दोनों पार्टियों ने अपनी रैलियां शुरू कर दीं। इससे राजधानी के अधिकांश हिस्सों में यातायात की आवाजाही बाधित हो गई। हिंसा के डर से कई दुकान मालिकों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लोगों ने अपने व्यवसाय बंद कर दिए।

जमात-ए-इस्लामी बीएनपी के धुर दक्षिणपंथी सहयोगी हैं। जमात ने पुलिस प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए एक अलग रैली की घोषणा की थी। उनके समर्थकों ने बीएनपी की रैली बांग्लादेश बैंक के सामने शापला चत्तर नाम की जगह पर आयोजित कराने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने लाठियों का इस्तेमाल कर उन्हें तितर-बितर कर दिया।

शेख हसीना के इस्तीफे की मांग और बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव बढ़ने की घटना, जनवरी 2024 की शुरुआत में होने वाले आम चुनावों से पहले हुई है। बता दें कि बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना 15 साल से सत्ता में हैं।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के विपक्षी दल महीनों से शेख हसीना के इस्तीफे समेत अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, उनकी नेता खालिदा जिया घर में नजरबंद हैं। खालिदा दो बार की प्रधानमंत्री हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी ठहराया गया है। बीएनपी का कहना है कि हसीना को हटाने के लिए अंतिम प्रयास किया जा रहा है। खबरों के मुताबिक बांग्लादेश का चुनाव आयोग देश के 12वें राष्ट्रीय चुनाव की घोषणा करने की तैयारी कर रहा है।

कोहरे के कारण मिस्र में भीषण सड़क हादसा, आपस में टकराए कई वाहन; 32 लोगों के मारे जाने की खबर

काहिरा,28 अक्टूबर 2023। मिस्र के एक राजमार्ग पर कई कारें आपस-में करा गई, जिसमें कम से कम 32 लोगों के मारे जाने की खबर है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि काहिरा और भूमध्यसागरीय शहर अलेक्जेंड्रिया को जोड़ने वाले राजमार्ग पर शनिवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) यह हादसा हुआ। एक के बाद एक कई वाहन टकराने से कई गाड़ियों में आग लग गई। दुर्घटना में 32 लोगों की मौत हो गई।

स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, सुबह के समय घना कोहरा लगा हुआ था। हादसा उस समय हुआ जब एक बस ने सड़क किनारे खड़े वाहन को टक्कर मार दी। इसके बाद अन्य वाहन बस से टकरा गए। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया है। बस काहिरा जा रही थी।

घटना के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं, जिनमें सड़के किनारे वाहन जलते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनमें दमकलकर्मी बाहर निकल रहे हैं। सरकारी दैनिक अल-अहरम ने बताया कि काहिरा से करीब 160 किलोमीटर उत्तर में नुबारिया शहर में हुए इस हादसे में 29 वाहन शामिल हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिस्र के मौसम विज्ञान प्राधिकरण ने एक दिन पहले राजमार्गों पर भारी कोहरे की चेतावनी दी थी।

मिस्र में हर साल घातक सड़क दुर्घटनाएं हजारों लोगों की मौत होती है। उसका खराब परिवहन सुरक्षा रिकॉर्ड है। दुर्घटनाएं ज्यादातर तेज गति, खराब सड़कों या यातायात कानून ठीक से लागू न होने के कारण होते हैं।

कजाकिस्तान में खदान में आग लगने से 21 लोगों की मौत

अस्ताना, 28 अक्टूबर 2023। कजाकिस्तान के कारागांडा क्षेत्र में शनिवार को स्टील की दिग्गज कंपनी आर्सेलर मित्तल के स्वामित्व वाली एक खदान में आग लग गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि इस घटना में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हुए हैं।

सूत्रों ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि अब तक 21 शव पाए गए हैं और 23 खनिक अभी भी कोस्टेंको खदान में फंसे हुए हैं। बचाव अभियान जारी है।

कज़ाख राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने निवेश सहयोग को रोकने का आह्वान किया है। सरकार ने कहा है कि वह देश की सबसे बड़ी स्टील मिल चलाने वाली कंपनी का राष्ट्रीयकरण करने के लिए एक सौदे को अंतिम रूप दे रही है।

ब्रिटेन में यहूदी-इस्लाम विरोधी घृणा अपराध बढ़े, लंदन की सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन की तैयारी

लंदन,28 अक्टूबर 2023 । पश्चिम एशिया में हिंसा की तपिश यूरोप तक पहुंच चुकी है। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध 22 दिनों से जारी है। गाजा में इस्राइल डिफेंस फोर्स की सैन्य कार्रवाई तेज हो रही है। हिंसा में हजारों लोगों की मौत के बीच यूरोप में घृणा अपराध बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। ब्रिटेन में यहूदी समुदाय के विरोध और इस्लामोफोबिक घृणा अपराध बढ़ने की सूचना है। आपराधिक घटना बढ़ने के साथ-साथ लंदन की सड़कों पर विरोध की खबर भी सामने आई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस महीने की शुरुआत में इस्राइल-हमास संघर्ष तेज होने के बाद से लंदन में विरोध प्रदर्शन की तैयारियां हो रही हैं। स्कॉटलैंड यार्ड शनिवार को लंदन की सड़कों पर एक और विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार हो रहा है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि उसने इस महीने ब्रिटेन के यहूदी समुदायों के खिलाफ 408 यहूदी विरोधी अपराध दर्ज किए हैं। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या केवल 28 थी। इस्लामोफोबिक घृणा अपराध अक्टूबर 2022 में 65 थे। इस महीने आंकड़ा लगभग तीन गुना बढ़ चुका है। इस महीने 174 मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस बल ने इस्राइल-गाजा संघर्ष से जुड़ी 75 गिरफ्तारियां की हैं। आतंकवाद विरोधी अधिकारी आतंकवाद कानूनों के 10 संभावित उल्लंघनों की जांच कर रहे हैं। मेट पुलिस कमांडर काइल गॉर्डन ने इस सप्ताह के अंत में लंदन में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के संदर्भ में कहा, ÷हम पिछले हफ्ते से ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जहां भी संभव होगा, पुलिस कानून के दायरे में विरोध की अनुमति देगी।

पुलिस ने बताया कि विभाग के सबसे अनुभवी और जानकार अधिकारी घृणा अपराध की घटनाओं पर काम कर रहे हैं। पलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि हम सभी कानूनों का पूरी तरह से उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से पुलिस को सूचना देने की अपील करते हुए कहा, किसी भी घृणा अपराध के बारे में निकटतम पुलिस अधिकारी को रिपोर्ट जरूर करें।

उन्होंने कहा, संभावित अपराधों के किसी भी फुटेज या चित्र की सूचना हमें दी जानी चाहिए। हमारे पास विशेषज्ञ टीमें हैं जिनकी भूमिका अपराध की पहचान करने वाले हजारों सूचनाओं की जांच करना है। हजारों मेट पुलिस अधिकारी उन लोगों को आश्वासन देने के लिए ड्यूटी पर होंगे जो प्रदर्शनों में अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। साथ ही पुलिस कानून तोड़ने वाले किसी भी असामाजिक तत्व से सक्रिय रूप से निपटेगी।

मेट पुलिस ने कहा कि वह ब्रिटेन की राजधानी में अन्य लंदनवासियों और व्यवसायों में व्यवधान को कम करने के लिए भी हरसंभव प्रयास करेगा। बता दें कि पिछले विरोध प्रदर्शनों में जिहाद के नारे लगने के बाद, सरकारी मंत्रियों द्वारा अस्वीकार्य निंदा की गई थी, मेट पुलिस ने संकेत दिया है कि ऐसे मंत्रों से संबंधित किसी भी गिरफ्तारी का मूल्यांकन मामले-दर-मामले के आधार पर किया जाएगा।

कमांडर गॉर्डन ने कहा, ÷अगर कोई विशेष रूप से इस्राइल के खिलाफ जिहाद का आह्वान कर रहा है तो अधिकारी हस्तक्षेप करेंगे, जानकारी इकट्ठा करेंगे। कार्रवाई का सबसे अच्छा तरीका क्या है, इसके संबंध में हम सहयोगियों (आतंकवाद से) के साथ काम करेंगे।

मेट पुलिस ने यूके की सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम की धारा 12 के तहत प्रदर्शनकारियों के गुजरने वाले रास्तों पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम की धारा 14 के तहत एक अलग शर्त लगाई गई है। फलस्तीनी एकजुटता अभियान मार्च में शामिल लोगों को मध्य लंदन के केंसिंग्टन पैलेस गार्डन में इस्राइली दूतावास के बाहरी क्षेत्र में इकट्ठा होने से रोका गया है। पुलिस ने कहा कि विरोध मार्च में शामिल लोगों के साथ-साथ जनता की सुरक्षा के लिए विवरण साझा किए गए हैं। विवरण मार्च के आयोजकों के साथ भी साझा किए गए हैं।

हमवतन को घायल करने के मामले में भारतीय मूल का शख्स दोषी करार,नवंबर में सुनाई जाएगी सजा

सिंगापुर,28 अक्टूबर 2023 । भारतीय मूल के एक व्यक्ति को हमवतन को चोट पहुंचाने के मामले में दोषी ठहराया गया है। पीड़ित की गर्दन और सिर पर चोटें आ गई थीं, जिसके कारण पांच दिन बाद उसकी मौत हो गई थी।

जमानत पर बाहर दौरान एक लोक सेवक को गलत जानकारी देने के आरोप में शक्तिवेल शिवसूरियन (33 वर्षीय) को दोषी ठहराया गया है। द स्ट्रेट टाइम्स के मुताबिक, शक्तिवेल को नवंबर में सजा सुनाई जाएगी, जिसके लिए उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, टैक्सी से उतरने के बाद शक्तिवेल और मंजूनाथ लुइस रवि के बीच बहस हो गई थी। इस दौरान शक्तिवेल ने मंजूनाथ को घूंसा मारा था, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गए थे। अदालती दस्तावेजों में दोनों व्यक्तियों के बीच किसी तरह के संबंध का जिक्र नहीं किया गया था। रिपोर्ट में दोनों की राष्ट्रीयता के बारे में भी नहीं बताया गया।

16 दिनों तक चली सुनवाई में बचाव पक्ष का रुख यह था कि मंजूनाथ को लगी शुरुआती चोट घातक नहीं थी। इसके बजाय, जब शक्तिवेल ने जब उन्हें उठाने की कोशिश की तो वह गिर गए, जिससे शुरुआती चोट गंभीर हो गई और परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई।

अदालत के दस्तावेजो के मुताबिक, जिला न्यायाधीश जेम्स एलिशा ली ने कहा कि उन्होंने शक्तिवेल के वकील वासवानी संजीव के सबूतों को स्वीकार किया है कि जब मंजूनाथ जमीन पर गिरे तो शक्तिवेल और एक महिला ने उन्हें उठाने की कोशिश की, इस दौरान वह दो बार जमीन पर गिर पड़े।

न्यायाधीश ने यह भी कहा कि वह इस सबूत को स्वीकार करते हैं कि शक्तिवेल एंबुलेंस के आने से पहले मंजूनाथ को एक जगह पर ले गए थे, जहां पर घास थी। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर संदेह है कि अगर मंजूनाथ को नीचे नहीं गिराया गया होता और उनके साथ हाथापाई नहीं की गई होती तो क्या उनकी मौत गिरने से लगी शुरुआती चोट से हुई होती।

उन्होंने आगे कहा, अगर पीड़ित को गिरने से चोट नहीं लगी होती, तो उन्हें गिराने और हाथापाई करने से उनकी मौत नहीं होती। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, मंजूनाथ, एक महिला, शक्तिवेल और शक्तिवेल की पत्नी 18 जुलाई, 2020 को रात लगभग 11 बजे एक टैक्सी में थे। शक्तिवेल और मंजूनाथ के बीच एक विवाद हो गया था। झगड़े के दौरान मंजूनाथ गिर गए और उनका सिर जमीन पर लग गया।

पीड़ित को आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उनके पिता उड़ान भरने और उनसे मिलने में सक्षम नहीं थे। उन्हें 23 जुलाई, 2020 को वेंटिलेटर से हटा दिया गया था और उसी दिन उनकी मृत्यु हो गई। शव परीक्षण से पता चला था कि मंजूनाथ की बाईं आंख के ऊपर की हड्डी में एक छोटी सी दरार थी और उसकी रीढ़ की हड्डी अलग हो गई थीं।

गाजा पर इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 7,700 से अधिक हुई

गाजा, 28 अक्टूबर 2023। गाजा पट्टी पर इजरायली सैन्य हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 7,703 हो गई है। हमास-नियंत्रित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी है।

रिपार्ट के अनुसार, एक बयान में कहा गया कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 19,743 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।

7 अक्टूबर को इजरायली सैन्य ठिकानों और कस्बों पर हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए एक हमले के जवाब में इजरायल ने गाजा के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई हमले और जमीनी अभियान शुरू किए हैं, जिसमें इजरायल में कम से कम 1,400 लोग मारे गए हैं।

80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ व दिव्यांग मतदाता का होगा होम वोटिंग

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल जी के निर्देशानुसार अनुपस्थित मतदाता (80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाता और दिव्यांग मतदाता) को होम वोटिंग के माध्यम से मतदान कराने वाले मतदान दलों का प्रशिक्षण शा.पं. रेवती

रमण मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर में आयोजित किया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पी.सी सोनी द्वारा अनुपस्थित मतदाता को किस प्रकार मतदान कराया जाना की विस्तृत जानकारी मतदान दल को दिया गया।

उन्होंने बताया कि ऐसे मतदाताओं को डाक मतपत्र माध्यम से मतदाता के घर में जाकर मतदान कराया जायेगा। मतदान कराने के पूर्व रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतदान केन्द्रवार पात्र 80 वर्ष से ऊपर आयु के मतदाता एवं पात्र दिव्यांग मतदाताओं की सूची अनुलग्न 1 में तैयार की गई रहेगी जिसे मतदाता सूची कहते हैं इन चिन्हित अनुपस्थित मतदाताओं को मतदान कराने हेतु मतदान टीम का गठन किया जायेगा। जिसमें पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, माइक्रो आब्जर्वर वीडीयोग्राफर और सुरक्षाकर्मी रहेंगे। इन्हें रूट तय कर चार्ट के अनुसार अनुपस्थित मतदाताओं के घर मतदान हेतु भेजा जायेगा। मतदाताओं को मतदान हेतु भ्रमण की जानकारी एस.एम.एस. बी.एल.ओ. के माध्यम से पूर्व में ही दी जायेगी। मतदान दलों दी जाने वाली सामग्री - अनुलग्नक 2 में रजिस्टर, जिसे मतदान के दौरान मतदान दल द्वारा भरा जाना है, अनुपस्थित मतदाताओं की सूची अनुलग्नक 1,

निर्वाचक की घोषणा प्रारूप 13क, मतपत्र को रखने के लिए छोटा लिफाफा, बाहरी बड़ा मतपत्र जिसमें पर्ण एवं प्रतिपर्ण को, फोल्डिंग टेबल, बोटिंग कम्पर्टमेंट, मतपेटी दी जायेगी मतदान दल को निर्धारित दिनांक को वाहन के माध्यम से संबंधित रूट चार्ट अनुसार अनुपस्थित मतदाताओं के घरों में भेजा जायेगा। मतदान दल, मतदाता के घर जाकर मतदाता को अपने आने का यह उद्देश्य बतायेगा कि अनुपस्थित (60 वर्ष के ऊपर के वरिष्ठ नागरिक मतदाता या दिव्यांग मतदाता) को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराने हेतु आने का उद्देश्य बतायेगा। मतदान दल घर के एक कोने में फोल्डिंग टेबल लगाकर वोटिंग कम्पार्टमेंट लगायेगा।

मतदान दल द्वारा अनुलग्नक 2 मे मतदाता का नाम, मतदाता सूची का सरल क्र., पहचान प्रस्तुत करने के दस्तावेज, मतदान की तारीख लिखकर मतदाता का हस्ताक्षर या अँगुठे का निशान लेगा अब मतपत्र के प्रतिपर्ण पर भाग संख्या एवं सरल क्र. अंकित कर मतपत्र के पर्ण को मतदाता को देगा । वह सुनिश्चित करेंगा कि मतदाता अपने पसंद के अनुसार अभ्यर्थी के खाने में राइट का चिन्ह लगाकर मतांकन कर उसे छोटी लिफाफे में डालकर लिफाफे का मुंह बन्द कर देगा। निर्वाचन का घोषणा प्रारूप 13 क को मतदान अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जायेगा। इस प्रकार मतपत्र का छोटा लिफाफा और निर्वाचक का घोषणा को बड़े लिफाफे में रखकर उसका मुंह बंद कर मतपेटी में मतदाता द्वारा डाल दिया जायेगा। सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफर द्वारा विडियोग्राफी की जायेगी। माइक्रो आर्जवर यह देखेगा कि आयोग के निर्देशानुसार मतांकन का कार्य हुआ है और मतदान की गोपनीयता रखी जा रही है। डाक मतपत्र के माध्यम से होम बोटिंग की जानकारी रिटर्निंग आफिसर के द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी को दी जायेगी। जिससे वे अपने प्रतिनिधि नियुक्त कर सकें। मतदान समाप्ति उपरांत मतदान दल मतपेटी एवं अन्य सामग्री को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को सौप देगा।

इस प्रशिक्षण का निरीक्षण प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम मुख्य कार्यपालन अधिकारी सूरजपुर के द्वारा किया गया और उनके द्वारा मतदान दलों को आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों को बताया गया।

आरटीआई कार्यकर्ता से विधायक बने गुलाब कमरो 5 साल में कैसे हुए करोड़पति ?

5 साल में वेतन एक करोड़ भी नही मिला और सपंत्ति 5 लाख से बढकर पौने दो करोड़ कैसे हो गई ?

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुलाब कमरो ने आखिर ऐसा क्या किया कि संपत्ति में हुई 36 गुना बढोत्तरी ?

भाजपा प्रत्याशी रेणुका ने अपने सोशल मीडिया पेज से किया पोस्ट लगाया आरोप कहा विधायक गुलाब ने क्षेत्र का विकास तो नही किया खुद का विकास जरूर किया

रेणुका सिंह ने कहा विधायक ने किया खुद का विकास

विधायक गुलाब कमरो के द्वारा दिये गए शपथ पत्र के अनुसार जिस प्रकार अनुपातहीन संपत्ति बताई गई है उससे विरोधियों को भी एक मौका मिल गया है। प्रतिद्वंदी रेणुका सिंह ने अपने सोषल मीडिया पोस्ट में भी कटाक्ष किया है और कहा है कि 36 गढ के लिए किए गए 36 वादे कांग्रेस सरकार पूरी नही कर सकी है,लेकिन विधायक जी की संपत्ति 36 गुना जरूर बढ गई। बीपीएल कार्ड धारी पत्नी भी लखपति बन गई और भरतपुर सोनहत से कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो लखपति से करोड़पति बन गए। विधायक गुलाब कमरो ने क्षेत्र का विकास तो नही खुद का विकास जरूर किया। करोड़पति बनने की बधाई विधायक जी।

सवाल जो जनता के इर्द गिर्द घूम रहे हैं

विधायक गुलाब कमरो ने अपनी संपत्ति की घोषणा की जिसके बाद तरह -तरह की चर्चाएं चल रही हैं,जिस विधायक ने लगभग 70 लाख ही वेतन से प्राप्त किया है उसने 5 साल में अपने ऊपर भी कुछ ना कुछ राषि खर्च भी किया होगा, शान शौकत से लेकर उनके पहनावे से भी काफी कुछ झलकता है। उन्होने जो मोबाईल रखा है वह भी काफी कीमती बतलाया जाता है। लोग यह समझ नही पा रहे हैं कि आखिर विधायक गुलाब कमरो ने क्या कमाल किया है कि उनकी सपंत्ति 5 वर्ष में 5 लाख से बढकर पौने 2 करोड़ तक पहुंच गई।

-रवि सिंह-
एमसीबी,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।
कभी विभिन्न शासकीय कार्यालयों में सूचना का अधिकार लगाकर अपनी पहचान बनाने वाले भरतपुर सोनहत क्षेत्र से वर्तमान में विधायक और सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने विधायक बनने के बाद अपनी संपत्ति में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, विधायक गुलाब कमरो ने पांच साल में अपनी संपत्ति 5 लाख से बढाकर पौने दो करोड़ कर ली है, जो कि पिछले 5 वर्ष की तुलना में 36 गुना अधिक है। विधायक की संपत्ति में इस कदर बढोत्तरी की चर्चा आम लोगो की जुबान पर है, तो इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी को एक मुद्दा भी हाथ लग गया है, भरतपुर सोनहत क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने विधायक गुलाब कमरो की संपत्ति को लेकर अपने सोषल मीडिया में भी पोस्ट कर सवाल खड़ा किया है।

वर्ष 2018 में इतनी थी गुलाब कमरो की संपत्ति

भरतपुर सोनहत क्षेत्र से विधायक इस बार के चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस प्रत्याषी बतौर चुनावी मैदान में हैं इस बार उनका मुकाबला केन्द्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह से हो रहा है। गुलाब कमरो ने निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत नामांकन पत्र मे दिये शपथ पत्र में बतलाया है कि उनके पास नगद 1 लाख 87 हजार रूपये,बैंक में जमा 38 लाख 10 हजार 924 रूपये,7 लाख 50 हजार रूपये का बीमा और डाकघर में जमा है। पत्नी लीलावती के नाम पर 10 लाख 10 हजार रूपये बैंक में जमा है,और नगद 1 लाख 73 हजार रूपये है। साथ ही मेसर्स पूजा एग्री एंड एलायड व्यवसाय में 16 लाख 39 हजार रूपये का निवेष बताया गया है। बेटी अंजली के नाम बैंक खाते में 5 हजार 900 रूपये और नगद 32 हजार 543 रूपये बताया गया है। बेटी निषा सिंह के पास नगद 2 हजार चार सौ अंठावन रूपये और बैंक खाते में सुकन्या योजना के तहत 8 हजार छ:सौ तैतीस रूपये जमा बताया गया है।

ज्वेलरी और कार भी खरीदी

विधायक गुलाब कमरो ने सिर्फ बैंक बैलेंस और नगद में बढोत्तरी नही की है बल्कि उनके द्वारा शान शौकत का भी पूरा ख्याल रखा गया है,श्री कमरो के पास इनोवा कार है जिसकी कीमत 12 लाख रूपये वर्तमान में है, जबकि इसका क्रय मूल्य और अधिक है। उनके पास 65 ग्राम सोना है,पत्नी के नाम पर महिन्द्रा ट्रैक्टर और स्कूटी है, उनकी पत्नी के पास 120 ग्रम सोना है। कुल संपत्ति 63 लाख 70 हजार 255 रूपये और पत्नी की संपत्ति 42 लाख 16 हजार 536 रूपये बताई गई है।

पिछले वर्ष खरीदी 2 एकड़ से अधिक जमीन

विधायक गुलाब कमरो ने वर्ष 2022 में 2.938 एकड़ भूमि भी क्रय की है,जिसका वर्तमान बाजार मूल्य 9 लाख 62 हजार रूपये बताया गया है। इतना ही नही गृह निर्माण मंडल के प्लाट की बुकिंग भी उन्होने 2 लाख रूपये एडवांस देकर की है। 2021 में राजधानी रायपुर में गुलाब कमरो ने पक्का मकान भी क्रय किया है,जिसकी कीमत 65 लाख रूपये बताई गई है। बैंक से खुद के नाम 35 लाख 1905 रूपये और पत्नी के नाम पर 84 हजार 426 रूपये का कर्ज बताया गया है।

5 साल में हुई जबरजस्त बढोत्तरी

विधायक गुलाब कमरो ने वर्ष 2018 में चुनाव लड़ने के दौरान शपथ पत्र दिया था उसके अनुसार स्वयं और पत्नी के नाम पर कुल 5 लाख 12 हजार रूपये की संपत्ति बताई थी। इन पांच वर्ष में ही लगभग 36 गुना संपत्ति में इजाफा बताया जाना कई संदेहो को भी जन्म देता है।

पत्नी के पास लाखो की संपत्ति और लेती थी गरीबो का चावल

विधायक गुलाब कमरो की पत्नी लीलावती के पास भी लाखो की संपत्ति,और सोना बताया गया है। लेकिन उनके नाम पर गरीबी रेखा का राषन कार्ड भी बना हुआ था,यह बात जब पिछले दिनो विरोधियो को मालूम चला तो हो हल्ला मचाया गया जिसके बाद गुलाब कमरो की पत्नी का राषन कार्ड निरस्त किया गया है। विधायक की लखपति पत्नी के द्वारा गरीबो का चावल लेना भी चर्चा का विषय और चुनावी मुद्दा बन गया है।

पांच साल मे कितना मिला वेतन

बतलाया जाता है कि वर्ष 2018 में जब गुलाब कमरो विधायक बने उस दौरान उनका वेतन लगभग 1 लाख रूपये था, और वर्ष 2022 तक इतना ही वेतन प्राप्त हुआ था,इस हिसाब में एक वर्ष में उन्होने वेतन से 12 लाख और 4 वर्ष में 48 लाख रूपये अर्जित किया है। पिछले एक वर्ष से वेतन में बढोत्तरी के बाद अब लगभग 1 लाख 75 हजार रूपये प्राप्त हो रहा है। यानि कि गुलाब कमरो ने कुल वेतन लगभग 69 लाख रूपये अर्जित किया है। जिसकी तुलना में उन्होने लगभग पौने 2 करोड़ की सपंत्ति घोषित की है। कुल मिले वेतन के हिसाब से लगभग 3 गुना संपत्ति बढना कई संदेहो को जन्म देता है तो वहीं गुलाब कमरो की सपंत्ति में इस प्रकार की बढोत्तरी से आम जन भी हतप्रभ हैं।

विधानसभा चुनाव में भाजपा के विजयी होने के सम्पूर्ण संभावनाएं: अर्जुन मुंडा

मैं अपने घर से चुनाव लड़ रही हूं: रेणुका सिंह

केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड पुर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा रेणुका एवं श्याम बिहारी के नामांकन में हुए शामिल,भाजपा को मिला भव्य जन सैलाब का समर्थन

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी से विधानसभा मनेंद्रगढ़ के प्रत्याशी श्याम बिहारी जयसवाल एवं विधानसभा भरतपुर सोनहत की प्रत्याशी रेणुका सिंह के समर्थन में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा चैनपुर के समीप आयोजित आम सभा में दिखाई दिए, जहां कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षेत्र आम जनता एक बड़े जन सैलाव के रूप में दिखाई दी, जहां तक नज़रें गई, भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों को विधानसभा चुनाव में तय भाजपा विजयी भाजपा के नारे लगाते देखा गया, और तो और भारतीय जनता पार्टी के दोनों प्रत्याशियों को मिला क्षेत्रवासियों का अपार जनसमर्थन, जिस पर खुले मंच से ही अर्जुन मुंडा ने इस विधानसभा चुनाव में भाजपा के विजयी होने के सम्पूर्ण संभावनाएं बताई, साथ ही अर्जुन मुंडा ने खुले मंच से बयान दिया कि जिस तरह इन पांच सालों में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सरकार ने जनता को गुमराह किया बरगलाया और अपने किए वादों से मुकरे, कहीं अवैद्य कारोबारों में बढ़ोतरी देखी गई तो कहीं जनता के ही पैसों का बंदरबांट कर केंद्र की योजनाओं को जनता तक पहुंचाया नहीं गया जिस पर इस जन सैलाव को देखते हुए जनता की मंशा का आंकलन लगाया जा सकता है कि जनता इस विधानसभा चुनाव में सरकार बदलने का पूरा मन बना चुकी है और इस बार सम्पूर्ण बहुमत से भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनाने की पूरी तैयारी में है।

जनता के साथ कांग्रेस सरकार ने सिर्फ धोखेबाज की

श्याम बिहारी जयसवाल ने भी उद्बोधन देते हुए अपने बयान में कहा कि विधानसभा मनेंद्रगढ़ में जिस तरह जनता के साथ कांग्रेस सरकार ने सिर्फ धोखेबाज की और जनता को उनके अधिकारों से समस्त लाभकारी योजनाओं से वंचित रखा गया, कहीं जनहित संबंधित योजनाओं के नाम पर भ्रष्टाचार तो कहीं आपसी बंदरबांट में ही कांग्रेस सरकार विलीन रह गई ना घरों तक नल से जल पहुंचाए गए ना ही अवैद्य कारोबारों पर कोई रोकथाम लगाई गई, और केंद्र की भाजपा सरकार ने जो तमाम विकास कार्यों की सौगात जनता के लिए जनता के समक्ष रखा, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सरकार ने उन तमाम योजनाओं से इन पांच सालों में सिर्फ अपनी जेबें भरीं, जिस पर अब विधानसभा मनेंद्रगढ़ में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार यहां के लोगों के मनोदशा एवं दिशा पर आधारित भी है और सरकार भी बना रही है।

मैं अपने घर से चुनाव लड़ रही हूं

जिसके बाद केंद्रीय मंत्री एवं विधानसभा भरतपुर सोनहत से भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने उद्बोधन देते हुए कहा कि मेरा निर्णय अटल है और मैं अपने घर से चुनाव लड़ रही हूं, विधानसभा भरतपुर सोनहत मेरा माईका है और यहां की जनता मेरा अपना परिवार है, इन पांच सालों में मेरे परिवार के साथ मेरे लोगों के साथ जो दुराचार एवं अन्याय हुआ है, जिस पर भाजपा ने विधानसभा भरतपुर सोनहत की कमान मेरे हाथों सौंप दी है, और इस विधानसभा चुनाव में मैं अपने ही घर से लड़ कर जीतते हुए अपने लोगों के अधिकारों को उन तक पहुंचाऊंगी और इन पांच सालों में मात्र भुमि पूजन कर जनता को बरगलाने एवं धोखे में रखने वाली सरकार को जनता आईना दिखाएगी और भाजपा विधानसभा भरतपुर सोनहत में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी, मुझे पूरा विश्वास है कि विधानसभा भरतपुर सोनहत की जनता जिसने मुझे हमेशा अपना माना है, मुझे इस बार पूरा मौका देगी कि मैं अपने लोगों की तन मन से सेवा कर सकूं। जिसके बाद दोनों प्रत्याशियों ने जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के कलेक्टर में नामांकन फार्म भरा और जन सैलाव की उमड़ती भीड़ इनके समर्थन में अंत तक बढ़ते ही नज़र आई।

विधानसभा क्रमांक 01 के लिए कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब,भाजपा प्रत्याशी रेणुका व गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रत्याशी श्याम सिंह ने जमा किया नामांकन

विधानसभा क्रमांक 02 के लिए कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह,भाजपा प्रत्याशी श्याम बिहारी,जनता कांग्रेस प्रत्याशी आदित्य राज तथा भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशी महेश ने नामांकन पत्र किया जमा, दोनों विधानसभा के लिए अब 26 अभ्यर्थियों लिया नामांकन फॉर्म,अब तक 8 अभ्यर्थियों ने जमा किया नामांकन

कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब कमरो नामांकन जमा करते हुए

भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह नामांकन जमा करते हुए

कांग्रेस प्रत्याशी रमेश चन्द्र सिंह नामांकन जमा करते हुए

भाजपा प्रत्याशी श्याम बिहारी जासवाल नामांकन जमा करते हुए

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रत्याशी श्याम सिंह मरकाम नामांकन जमा करते हुए

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी प्रत्याशी महेश प्रसाद नामांकन जमा करते हुए

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।
विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत के लिए आज कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब कमरो ने विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत तथा लोकसभा सांसद ज्योत्सना महंत की मौजूदगी ने नामांकन पत्र जमा किया। वहीं भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती रेणुका सिंह ने नामाकंन पत्र जमा किया। इसी प्रकार गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी श्याम सिंह मरकाम ने भी नामाकंन पत्र जमा किया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 02 मनेन्द्रगढ़ के लिए कांग्रेस प्रत्याशी रमेश चन्द्र सिंह ने विधासभा अध्यक्ष चरणदास महंत तथा लोकसभा सांसद ज्योत्सना महंत की मौजूदगी ने नामांकन पत्र जमा किया। वहीं श्याम बिहारी जासवाल ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 03 के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री भईयालाल राजवाड़े की उपस्थिति में नामांकन पत्र जमा किया। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रत्याशी श्री आदित्य राज डेविड ने तथा भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशी महेश प्रसाद ने नामांकन पत्र जमा किया। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए दोनों विधानसभा क्षेत्र के लिए अब तक कुल 26 नामांकन पत्र अभ्यर्थियों ने लिया है। इनमें से 08 अभ्यर्थियों ने नामांकन जमा कर दिया है।

बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के नामांकन रैली में उमड़ी ऐतिहासिक भीड़ से पूर्व मुख्यमंत्री भी हुए गदगद

क्या बैकुंठपुर विधानसभा में मिल गए भाजपा नेताओं के दिल, एकजुट दिखे भाजपाई ?

सभा में भारी भीड़ जुटना कांग्रेस के लिए चिंताजनक

यह भीड़ अंबिका सिंहदेव के खिलाफ जनादेश का संदेश तो नही

वर्ष 2018 में बैकुंठपुर विधानसभा की जनता ने अंबिका सिंहदेव को विधायक के रूप में चुना था,लेकिन उनकी कार्यशैली और जनता से दूरी के कारण लोगो को यह आभास होने लगा कि उन्होने भैयालाल जैसे जनसेवक को हराकर बहुत बड़ी भूल कर दिया है। पूरे पांच साल लोग समस्याओं को लेकर जूझते रहे,जनता परेशान होती रही, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नही था। जैसा कि वर्तमान में क्षेत्र में चर्चा का विषय है कि भैयालाल राजवाड़े की तुलना में अंबिका सिंहदेव काफी कमजोर प्रत्याशी हैं ऐसे में भीड़ देखकर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह भीड़ अंबिका सिंहदेव के खिलाफ जनादेश में परिवर्तित होने वाला है। भीड़ के बाद अंबिका सिंहदेव समर्थक भी सोचने पर मजबूर हैं।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। लोकतंत्र का त्यौहार आते ही एक ओर जहां मतदाताओं की पूछ परख बढ जाती है तो वहीं दूसरी ओर नेताओं की नींद हराम हो जाती है, खासकर चुनाव लड़ रहे नेताओं को दिन रात एक करना होता है जो देखा भी जाता है। चुनाव पूर्व भी कई समीकरण देखने को मिलते हैं,आपसी मनमुटाव से लेकर टिकट की लड़ाई में कई गुट तैयार हो जाते हैं स्थिति यहां तक पहुंच जाती है कि एक ही दल के नेता और कार्यकर्ता आपस में विरोधी बन जाते हैं और कहीं न कहीं इससे पार्टी को ही नुकसान उठाना पड़ता है। बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में भी कुछ दिन पहले तक भाजपा में अलग ही नजारा देखने को मिल रहा था,इस बार टिकट की दावेदारी कर रहे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी और शैलेश शिवहरे ने खूब जोर लगाया था अंततःपार्टी ने विश्वास पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े पर जताया और उन्हे प्रत्याशी बनाया। भैयालाल राजवाड़े को प्रत्याशी बनाये जाने के बाद पार्टी में दावेदारो के लिए अलग-अलग कयाश भी लगाये जा रहे थे लेकिन उन सभी कयाशो पर तब विराम लग गया जब गुरूवार को भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के नामांकन के पूर्व आयोजित सभा में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह की मौजूदगी में भाजपा के अन्य दावेदार भी पार्टी के साथ खड़े दिखलाई दिए इससे यह संदेश दिया गया कि पार्टी के सारे नेता एक हैं और भाजपा प्रत्याशी के लिए पूरी ईमानदारी के साथ काम करेंगे,मंच पर दो प्रमुख दावेदारो की उपस्थिति से भाजपा की फिजा बदली बदली नजर आई इससे जनता और कार्यकर्ता भी खुश नजर आए। संदेश यह भी दिया गया कि सभी नेताओं के दिल मिल गए हैं और कहीं किसी से आपसी मनमुटाव नही है।

भाजपा की सभा में 15 हजार से अधिक जनता का जुटना ऐतिहासिक विजय की झलक

जैसा कि बतलाया जा रहा है भाजपा प्रत्याशी की सभा में लगभग 15 हजार की भीड़ जुटी थी,यह भीड़ भैयालाल राजवाड़े की लोकप्रियता का परिणाम है। और यह किसी लहर से कम भी नही है,यदि इस प्रकार का भीड़ जुटाया गया है जो फिर चुनाव परिणाम ऐतिहासिक विजय की ओर भी ईशारा कर रहा है।

जब मंच से भावुक हुए भईयालाल राजवाड़े

भाजपा प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े जिन्होने राजनीति में एक लंबा सफर तय किया है वास्तव में इस क्षेत्र में उनके कद का एक भी ऐसा नेता नही जो कि सरपंच से लेकर केबिनेट मंत्री तक का सफर तय किया हो। राजनीति उन्हे विरासत में तो नही मिली लेकिन जनता के अभूतपूर्व समर्थन ने उन्हे राजनीति के उच्च शिखर तक पहुंचा दिया। जनता की सेवा करते करते उन्होने अपनी पहचान ईलाज वाले बाबा के रूप में निरूपित कर लिया है। नामांकन रैली में उमड़ी भीड़ इस बात का संकेत भी दे रही थी,इसी बीच लोगो ने मंच से भैयालाल राजवाड़े का भावुक पन देखा, अपने दिवंगत पुत्रों को याद करते हुए भैयालाल राजवाड़े के आंख से आशु छलक उठे,खुद को संभालने के बाद उन्होने जनता को संबोधित किया।

एक मंच पर साथ देखे गए दो अन्य दावेदार

भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े की नामांकन सभा खरवत में रखी गई थी, जिसमें छत्तीसगढ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की विशेष उपस्थिति रही, पूर्व मुख्यमंत्री ने बैकुंठपुर में लगभग 3 घंटे का समय व्यतीत किया। सभा के दौरान भाजपा से टिकट की दावेदारी कर रहे नेता भी दिखलाई दिए जो कि चर्चा का विषय बना रहा। दावेदारो ने भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के पक्ष में सभा को संबोधित करते हुए एकता का संदेश भी दिया। और यह बतलाने की कोशिश की गई कि वे सभी एकजुट हैं और पार्टी प्रत्याशी को विजय दिलाने हेतु संकल्पित हैं।

क्या मिल गए नेताओं के दिल

नामांकन सभा में सभी प्रमुख भाजपा नेताओं और खासकर भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के साथ प्रमुख दावेदार शैलेश शिवहरे और देवेंद्र तिवारी का एकजुट दिखना ही भाजपा के लिए किसी संजीवनी बूटी से कम नही था,सभा में दिखने के बाद यह सवाल भी है कि क्या नेताओं के दिल मिल गए हैं या फिर उनके द्वारा सिर्फ उपस्थिति दिखलाई गई है।

यदि एकजुट हुए नेता तो भाजपा भारी बढत में

नामांकन रैली के माध्यम से एकता का संदेश देने में सफल हुए भाजपा नेताओं के बारे में यह सुनने को मिल रहा है कि यदि सभी ने वास्तव में मनमुटाव दूर कर एक साथ चलने का संकल्प ले लिया है तो फिर बैकुंठपुर विधानसभा में इस बार भाजपा एक नया इतिहास बना सकती है। कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव से भाजपा प्रत्याशी काफी बढत बना लेंगे इसकी संभावना भी जताई जा रही है।

भीड़ देखकर प्रसन्न हुए पूर्व मुख्यमंत्री

जैसा कि बतलाया जाता है भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के नामांकन के पूर्व खरवत में सभा का आयोजन किया गया था,सभा में भारी भीड़ भैयालाल राजवाड़े का भारी जीत की ओर ईशारा कर रही थी, उनका भावुकपन इसी भीड़ के कारण भी समझ में आ रहा था। भीड़ देखकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली।

विश्व आघात दिवस पर बालकों के अग्निशमन कर्मियों को उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया सम्मानित

-संवाददाता-

कोरबा,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। हर वर्ष 29 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व आघात दिवस आघात की रोकथाम एवं उपचार के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के असाधारण अग्निशमनकर्मियों ने अपनी उपलब्धियों से सहज ही अपनी ओर ध्यान आकर्षित किया। हालांकि विश्व आघात दिवस और अग्निशमनकर्मियों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं दिखाई देता, पर इनमें महत्वपूर्ण और आंतरिक संबंध है जिससे यह प्रकट होता है कि बालको अपने आसपास के समुदाय की मदद करने के लिए संकल्प है।

अग्निशमनकर्मी का नाम आते ही आग बुझाते और जलती इमारतों में फंसे लोगों को बचाते जीवन रक्षक की छवि उभरती है, किंतु उनकी भूमिका इससे कहीं अधिक विस्तृत है। वे आघात समेत विभिन्न चिकित्सकीय आपात स्थितियों को संभालने सहित सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले पेशेवर होते हैं। आपात स्थिति के वक्त बेहद अग्निशमन कर्मियों को तेजी और निर्णायक ढंग से कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। भारत की प्रतिष्ठित एल्युमिनियम उत्पादक बालको में अग्निशमन कर्मियों की समर्पित टीम है, जो पूरी कुशलता से अपनी सेवाएं देती है। ये वीर पेशेवर संयंत्र की सुरक्षा के साथ आसपास के समुदायों की भी मदद करते हैं।

बालको के वरिष्ठ शिफ्ट प्रभारी मनोज यादव ने बतौर अग्निशमन कर्मी अपने कैरियर की महत्वपूर्ण घटना का उल्लेख करते हुए बताया, ''उसलापुर रेलवे स्टेशन पर एक अप्रत्याशित घटना से मेरा सामना हुआ। एक बुजुर्ग अचानक होश खो बैठा। उनकी जिंदगी को खतरा था। मैं तब ड्यूटी पर नहीं था ,लेकिन एक अग्निशमनकर्मी होने के नाते मैं यूं ही खड़े रह कर यह होते नहीं देख सका ,मैंने तुरंत कार्यवाही की। अपने प्रशिक्षण में सीखी तकनीकों को अमल में लाकर मैंने उन्हें सीपीआर दिया। एक प्रमाणित सीपीआर और फायर एड इंस्ट्रक्टर होने की वजह से इस घटना ने मुझे महसूस कराया कि अग्निशमनकर्मी के रूप में हमारी भूमिका समाज में अहम है। हमारा काम सिर्फ आग की लपटों का मुकाबला करना नहीं है बल्कि किसी भी आपात स्थिति पर प्रतिक्रिया के लिए हमें हरदम तैयार रहना है। वहीं बालको अग्निशमन विभाग के श्री पीताम्बर माझी ने बताया के बालको में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम हमारे चिंतन का केंद्रबिंदु है। दर्दनाक दुर्घटनाओं से बचने का यही श्रेष्ठ तरीका है। स्कूलों व समुदाय के बीच अग्निशमन प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन के जरिए हम जागरूकता के प्रसार में योगदान देते हैं ताकि आपात स्थितियों में बहुमूल्य जिंदगियां बचाई जा सकें। संयंत्र व टाउनशिप में अग्निशामक उपकरणों की नियमित जांच सुरक्षा सुनिश्चित करने का अहम हिस्सा है। हमारा मानना है कि शिक्षा एवं सक्रिय उपायों के साथ हम आग के जोखिम को काफी हद तक कम कर सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बना सकते हैं। हमारा काम केवल आग बुझाना नहीं है बल्कि उससे भी ज्यादा जरूरी है आग की रोकथाम करना।''

अग्निशमन और आघात प्रतिक्रिया के बीच महत्वपूर्ण संबंध के जरिए बालको अग्निशमन विभाग की तकनीकी क्षमता और उपलब्धियां सामने आती हैं साथ ही इससे सामुदायिक कल्याण की दिशा में बालको के समग्र दृष्टिकोण का भी पता चलता है। विश्व आघात दिवस पर आघात की रोकथाम और वक्त पर प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है। इसके जरिए बालको के वीर अग्निशमनकर्मियों के योगदान को याद करना विषिष्ट अनुभव है। जरूरतमंदों की मदद और समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार कर बालको के अग्निशमनकर्मियों ने यह साबित किया है कि उनका दिल केवल साहस से स्पंदित नहीं होता है बल्कि समाज सेवा का संकल्प और दुर्घटना पीड़ितों के प्रति सहानुभूति उनके जज्बे को निरंतरता प्रदान करती है।

हत्या के आरोपियों को सायबर सेल की टीम संग कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,28 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। चौकी मानिकपुर मैं दिनांक 22/10/2023 को चौकी आकर एक लिखित शिकायत दिया गया कि मनीष सारथी उम्र 21 वर्ष हाल मुकाम मुड़ापार अटल आवास जो की टीपी नगर स्थित इलेक्ट्रिक दुकान में इलेक्ट्रिशियन का काम करता है। जो रात कार्यस्थल से कम कर वापस घर नहीं आया। शिकायत के आधार पर चौकी मानिकपुर में गुम इंसान कायम किया गया। दिनांक 24.10.2023 को डायल 112 के जरिए थाना उरगा में सूचना प्राप्त हुआ की कुदुरमाल गांव के नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बहकर फंसा है ,जिसे उरगा थाना के द्वारा शव का मर्ग पंचनामा कार्यवाही जिला अस्पताल कोरबा से कराया गया । पीएम के दौरान मृतक की मृत्यु हत्या से होना संदेहात्मक पाए जाने पर तथा शिनाख्ती करवाई किया गया । जो मृतक मनीष सारथी निवासी पहरीपारा थाना उरगा का होना पाया गया। इसी बीच पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई की घटनास्थल महावीर नगर नहर किनारे गार्डन का होना पाए जाने से मर्ग डायरी अग्रिम जांच कार्यवाही हेतु थाना कोतवाली कोरबा भेजा गया। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक कोरबा जितेंद्र शुक्ला के दिशा निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रूपक शर्मा व सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक सनत सोनवानी , चौकी प्रभारी मानिकपुर उप निरीक्षक प्रेमचंद साहू के कुशल नेतृत्व में विवेचना कार्यवाही के साथ तथ्यों पर बारीकी से जांच की जा रही थी। पुलिस टीम को पता चला कि मनीष सारथी जिस इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करता था वहां एक युवती भी काम करती थी । वहां उन दोनों के बीच काफी बातें हुआ करती थी । युवती का प्रेम प्रसंग पहले से ही ग्राम सजापानी निवासी दानेंद्र कांवर के साथ था। जब दानेंद्र को इस बात की जानकारी लगी तो उसने कई बार मनीष को युवती से बात करने के लिए मना किया पर तब भी दोनों आपस में बातें किया करते थे। पुलिस टीम के द्वारा उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सजापानी निवासी दानेंद्र कंवर को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया तो उसने युवती के नाबालिक भाई के साथ मिलकर हत्या करना कबूला। आरोपीगणों के खिलाफ थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 638/2023 धारा 302 भादवी कायम किया गया। आरोपी 01.दानेंद्र कुमार कंवर निवासी साजापानी थाना उरगा व 02. विधि के विरुद्ध संघर्षरत बालक संलिप्त होना तथा अपराध कारित करना स्वीकार करने पर दिनांक 26.10.2023 को विधि अनुरूप गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक रूपक शर्मा,प्रभारी सायबर सेल निरीक्षक सनत सोनवानी,थाना कोतवाली से सहा उप निरी. अजय सिंह, लक्ष्मी प्रसाद कुर्रे, श्याम सिंह खन्ना, आरक्षक चंद्रकांत गुप्ता, अरुण तिर्की,सुनील सिंह राजपूत,एवम सायबर सेल से प्रधान आरक्षक गुनाराम, आरक्षक सुशील यादव आलोक टोप्पो, रितेश शर्मा, डेमन ओग्रे, प्रशांत सिंह, रवि चौबे की सराहनीय भूमिका रही।

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- ब-21/2022-23

ग्राम कोट के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राज्यपाल आ0/ जितन जाति गोड़ निवासी ग्राम कोट लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदक अपने पिता जितन का बिलम्ब मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत् अनुपलब्ध प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दस्तावेज के साथ न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। मृत्यु दिनांक 03/08/1998।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 2/11/2023 को न्यायीलयीन समयावधि ने उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात दावा आपत्ति में कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 19/10/2023 को न्यायालीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, देवनगर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0- /ब-19/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर जिला सरगुजा छ0ग0 के ज्ञापन क्रमांक /1215/वाचक /2022 अम्बिकापुर दिनांक 26/12/2022/ के माध्यम से ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 497/2 में से 50 डिसमिल भूमि को सूर्यवंशी महासभा के भवन निर्माण हेतु आबंटित करने हेतु प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो सुनवाई दिनांक 25/11/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0- /ब-19/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर जिला सरगुजा छ0ग0 के ज्ञापन क्रमांक /1216/वाचक /2022 अम्बिकापुर दिनांक 26/12/2022/ के माध्यम से ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 497/2 में से 50 डिसमिल भूमि को नामदेव समाज के भवन निर्माण हेतु आबंटित करने हेतु प्राप्त हुआ है उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो सुनवाई दिनांक 25/11/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लटोरी
मामले की श्रेणीःराजस्व

संदर्भः- जिला - सूरजपुर तहसील -लटोरी प.ह.नं.-00028 आमगांब ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-MD202324640722000001

ईश्तहार

तहसील लटोरी के प.ह.नं. 00028 के अंतर्गत ग्राम आमगांब के वतर्मान भूमिस्वामी गंगाराम पिता/पति-बोडरी पता-शा.पट्टेदार,मु0 हिरेंदिया पिता/पति-बेवाबोडरी पता-शा0पट्टेदार, सुधाराम पिता/पति-बोडरीपता-शापट्टेदार, रामरती पिता/पति-पुत्री बोडरी पता-शा0 पट्टेदार पिता/पति-बोडरीपता-शा0 पट्टेदार,रामबाबू पिता/पति-आ.बोडरीपता-शा0 पट्टेदार के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 326 (0.0400), 1189(0.0400) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रामरती पिता/पति-बोडरीपता-शा.पट्टेदार,मु0 हिरेंदिया पिता/पति-बोडरीपता-,चिंटू यादव पिता/पति सुधा यादव पता-,रामबाबू पिता/पति-बोडरीपता-शा.पट्टेदार,उषा यादव पिता/पति-सुधा यादव पता-शा. पट्टेदार, गंगाराम पिता / पति-बोडरी पता-शा.पट्टेदार, राजकुमार पिता/पति-बोडरी पता-शा.पट्टेदार के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06/11/2023 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार लटोरी पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/10/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, PRIYANKA RANI GUPTA, लिंक कोर्ट लटोरी

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202310020700028

विषयः- अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
पचपेड़ी प.ह.न. 00012 [22/2 (0.160हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-जवाहरदास आ. होलसाय अर्जुनदास रितेशदास चन्दा,
अनावेदक पक्षकार-जवाहरदास आ. होलसाय अर्जुनदास रितेशदास चन्दा,

ईश्तहार

आवेदक अर्जुन दास आ0 स्व0 एतवार दास व अन्य, निवसी ग्राम पचफेडी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम पचफेडी स्थित खसरा नंबर 22/2 रकबा 0.160 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बंटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्ट में प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/11/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/10/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202310020700027

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024
मणीपुर (प.ह.न. 00022)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-अर्जुन दास,
अनावेदक पक्षकार-चन्दा माया सोनम, कुंती, अर्जुन दास रितेश, मोतीलाल, जवाहरलाल

ईश्तहार

आवेदक अर्जुन दास आ0 स्व0 एतवार दास व अन्य, निवसी ग्राम मणीपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित खसरा नंबर 189/2, 190/2, 430, 436/2 रकबा 0.123, 0.334, 0.360, 0.259 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से अनावेदक का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/11/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/10/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, तहसील-अम्बिकापुर

हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में भारतीय पैरा एथलीटों ने रचा इतिहास

» हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में भारतीय पैरा एथलीटों ने 111 पदक जीते

हांग्जो,28 अक्टूबर 2023। 7 भारतीय पैरा एथलीटों ने शनिवार को इतिहास रच दिया जब उन्होंने हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में अपना अभियान अभूतपूर्व 111 पदकों के साथ समाप्त किया, जो किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता में देश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ, भारतीय पैरा एथलीटों ने 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित हांग्जो एशियाई खेलों में सक्षम एथलीटों द्वारा जीते गए 107 के रिकॉर्ड से चार पदक अधिक जीते। पदक तालिका में भारत चीन (521 पदक: 214 स्वर्ण, 167 रजत, 140 कांस्य), ईरान (131:44, 46, 41), जापान (150:42, 49) से नीचे पांचवें स्थान पर रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। , 59) और कोरिया (103: 30, 33, 40)।

पहला पैरा एशियाई खेल 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित किया गया था, जहां भारत एक स्वर्ण सहित 14 पदकों के साथ 15वें स्थान पर रहा था। चार साल बाद भारत नौवें स्थान पर रहा था।

किसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन (ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल) में भारत द्वारा 100 पदक का आंकड़ा पार करने का एकमात्र उदाहरण 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान जीते गए 101 पदक थे।

हमने इतिहास रचा है, हमारे पैरा एथलीटों ने देश को गौरवान्वित किया है। हम टोक्यो की तुलना में पेरिस पैरालिंपिक में अधिक पदक जीतेंगे, भारत की पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने पीटीआई को बताया।

हालांकि, यह हमारे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हमें 110 से 115 पदकों के बीच (जीतने की) उम्मीद थी और हम 111 पर समाप्त हुए, जो शुभ संख्या (एंजेल नंबर) है,÷

उन्होंने कहा। गुरुवार को, भारत 2018 संस्करण में हासिल किए गए 72 पदक (15 स्वर्ण, 24 रजत, 33 कांस्य) के पहले उच्चतम एशियाई पैरा खेलों की संख्या से आगे निकल गया था।

भारत ने 2018 संस्करण की तुलना में 39 अधिक पदक जीते, जिसमें एथलेटिक्स में 111 में से 55 (18 स्वर्ण, 17 रजत, 20) का योगदान रहा। भारतीय शटलरों ने चार स्वर्ण सहित 21 पदकों के साथ दूसरा सबसे बड़ा योगदान दिया। शतरंज और तीरंदाजी ने क्रमशः आठ और सात पदक दिये जबकि निशानेबाजी ने छह पदक दिये।

शनिवार को समापन दिवस पर भारत ने चार स्वर्ण सहित 12 पदक अपने नाम किये। सात पदक शतरंज से, चार एथलेटिक्स से और एक रोइंग से आया। नीरज यादव ने भारत के लिए दिन की शुरुआत पुरुषों की भाला फेंक 55 में 33.69 मीटर के गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक के साथ की। हमवतन टेक चंद ने इसी स्पर्धा में 30.36 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता।

सात साल की उम्र में ही नीरज को पोस्ट-पोलियो रेसिडुअल पैरालिसिस का पता चला था, लेकिन उनका रुझान हमेशा खेलों की ओर था और उन्होंने 2005 से 2012 तक व्हीलचेयर टेनिस खेला।

2015 दिल्ली स्टेट एथलेटिक मीट में भाग लेने के बाद उनका जीवन बदल गया, उन्होंने तीनों स्पर्धाओं-शॉट पुट, भाला और डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीते। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल मराकेश ग्रैंड प्रिक्स में भाला और डिस्कस थ्रो में पीली धातु हासिल करने से पहले 2018 में एशियाई पैरा खेलों में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता था।

दिलीप महादु गेविओट ने पुरुषों की 400 मीटर टी47 दौड़ 49.48 सेकंड के समय के साथ जीतकर एक और एथलेटिक्स स्वर्ण पदक जीता। नासिक का 20 वर्षीय युवक केवल चार साल का था जब एक दुर्घटना में उसने अपना दाहिना हाथ खो दिया था। पांच सदस्यों वाले एक गरीब परिवार में जन्मे दिलीप को तब पहचान मिली जब कोच वैजनाथ काले ने एक इंटर-स्कूल कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिभा को देखा। शहीद भगत सिंह स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले दिलीप इस साल विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे, जिससे उन्हें पेरिस पैरालंपिक कोटा मिला।

इसके बाद पूजा ने महिलाओं की 1500 मीटर टी20 दौड़ में 5:38.81 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर आखिरी एथलेटिक्स पदक जीता। शतरंज के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण सहित सात पदकों के साथ अंतिम दिन के लिए सर्वश्रेष्ठ बचाकर रखा।

भारत ने पुरुषों की व्यक्तिगत रैपिड व्ही-बी1 स्पर्धा में तीनों पदक जीते, जिसमें सतीश इनानी दर्पण ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रधान कुमार सौंदर्या और अश्विनभाई कंचनभाई मकवाना ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने टीम को स्वर्ण भी दिलाया।

किशन गंगोली ने पुरुषों की व्यक्तिगत रैपिड व्हीआई-बी2/बी3 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। गंगोली, सोमेंद्र और आर्यन बालचंद्र जोशी ने इसी स्पर्धा में टीम कांस्य पदक जीता।

वृथी सगनलाल जैन, हिमांशी भावेशकुमार राठी और संस्कृति विकास मोरे की तिकड़ी ने महिलाओं की रैपिड व्हीआई-व्ही1 टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। शनिवार को, भारत ने रोइंग में एकमात्र पदक भी जीता, जिसमें अनीता और कोंगनापल्ले नारायण ने पीआर3 मिश्रित डबल स्कल्स स्पर्धा में रजत पदक जीता।

भारत ने हांग्जो पैरा एशियाई खेलों में 313 एथलीट भेजे थे, जो टीम में 51 टोक्यो पैरालिंपियन के साथ किसी भी संस्करण में सबसे बड़ा था। भारत ने 22 में से 17 स्पर्धाओं में भाग लिया, जिसमें देश ने पहली बार रोइंग, कैनोइंग, लॉन बाउल, तायक्वोंडो और ब्लाइंड फुटबॉल में एथलीटों को मैदान में उतारा।

हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में 43 देशों के लगभग 4,000 एथलीट 566 स्वर्ण पदक स्पर्धाओं में 22 खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। हांग्जो एशियाई पैरा खेल मूल रूप से 9-15 अक्टूबर, 2022 तक होने वाले थे, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

इंडियन कोल्ट्स ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 3-3 से बराबरी पर रोका

जोहोर बाहरू,28 अक्टूबर 2023। मौजूदा चैंपियन भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बार एक गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए यहां सुल्तान ऑफ जोहोर कप के रोमांचक शुरुआती मैच में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान

को 3-3 से ड्रा पर रोक दिया। शुक्रवार को। यह अमनदीप लाकड़ा (30′), आदित्य अर्जुन लालागे (56′) और उत्तम सिंह (59′) के गोल थे जिन्होंने सुनिश्चित किया कि भारत को ड्रॉ से एक अंक मिले जबकि अरबाज अहमद (31′, 58′) और अब्दुल शाहिद (49′)) ने पाकिस्तान के लिए रन बनाए।

दोनों टीमें बिलिंग पर खरी उतरीं, अभियान के शुरुआती मैच में कुछ बेहतरीन हॉकी का प्रदर्शन किया ङ्क एक रोमांचक टूर्नामेंट के लिए क्षण स्थापित किया जो मलेशिया में आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में भाग लेने वाली टीमों के लिए एक लिटमस टेस्ट होने का वादा करता है। दिसंबर।

जबकि दोनों टीमों को शुरुआती घबराहट से उबरते हुए खेल में जमने में समय लगा, स्कोर करने का पहला बड़ा मौका 12वें मिनट में इंडिया कोल्ट्स के फारवर्ड अंगद बीर सिंह के पास आया। लेकिन उनका शॉट गोल के पार चला गया और गेंद को टैप करने के लिए दूर से कोई नहीं था। भले ही पहले क्वार्टर में कोई भी टीम शक्तिशाली आक्रामक फॉर्मेशन के साथ नहीं आई, लेकिन दोनों टीमों ने स्कोर को गतिरोध में बनाए रखने के लिए अच्छा बचाव किया। दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने शुरुआती मिनट में पीसी के साथ मजबूत शुरुआत की। लेकिन भारत के पहले रशर के अच्छे बचाव ने पाकिस्तान को गोल करने से रोक दिया। अगले कुछ मिनटों में भारत ने सर्कल में कुछ मौके अर्जित किए, लेकिन उनके पहले पीसी प्रयास में एक गलती के कारण स्कोरबोर्ड 0-0 पर बना रहा। डिफेंडिंग चैंपियन अंततः 30वें मिनट में पहला गोल करने में सफल रहे, जो कि हाफ-टाइम हूटर से केवल कुछ सेकंड पहले था। वह ड्रैग-फ्लिकर अमनदीप लाकड़ा ही थे जिन्होंने भारत को 1-0 की जरूरी बढ़त दिलाई।

हालाँकि, 10 मिनट के हाफ-टाइम ब्रेक के बाद मैदान पर लौटते हुए, पाकिस्तान ने 31वें मिनट में अरबाज़ अहमद की पीसी के माध्यम से बराबरी कर ली। सकारात्मक शारीरिक भाषा का प्रदर्शन करते हुए, भारतीय कोल्ट्स लक्ष्य से परेशान नहीं दिखे और अपने आक्रमण को जारी रखा। पूवाना बॉबी चंदूरा ने 39वें मिनट में गोल पर एक साहसिक शॉट लगाया लेकिन पाकिस्तानी गोलकीपर अली रजा ने उसे बचा लिया। अगले कुछ मिनटों में भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल में संभावित हमले किए, लेकिन गोल नहीं हो सका।

अंतिम क्वार्टर की शुरुआत स्कोरबोर्ड पर 1-1 के गतिरोध के साथ हुई, दोनों टीमों ने महत्वपूर्ण 3 अंक हासिल करने के लिए खुद को आगे बढ़ाया। लेकिन पाकिस्तान ने 49वें मिनट में 2-1 की बढ़त बना ली जब उनके कप्तान अब्दुल शाहिद ने भारतीय गोलकीपर मोहित को पछाड़ते हुए ऊपरी बाएं कोने से गोल पर शॉट लगाया। हालांकि भारत ने इस गोल का जवाब 50वें मिनट में पीसी से दिया, लेकिन पाकिस्तानी गोलकीपर द्वारा भारतीय ड्रैग फ्लिक को शानदार बचाव करने के कारण मौका चूक गया। घड़ी में पांच मिनट शेष रहने पर, भारत को पीसी के माध्यम से एक और मौका मिला और इस बार वे निष्पादन में शानदार थे, जिसमें आदित्य अर्जुन लालेज को अली रजा के पैड से रिबाउंड से डिफ्लेक्शन मिला। बराबरी के गोल ने यह सुनिश्चित कर दिया कि अंतिम कुछ मिनट संघर्षपूर्ण बने रहें और दोनों टीमें विजेता के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। अंतिम हूटर बजने से ठीक तीन मिनट पहले पाकिस्तान ने अरबाज़ अहमद द्वारा किए गए पीसी से वापसी की। 3-2 की बढ़त ने भारत के उत्साह को कम नहीं किया क्योंकि उन्होंने 59वें मिनट में कप्तान उत्तम सिंह के शानदार फील्ड गोल से प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से अंक बांटे।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने की टी20 स्क्वायॅड की घोषणा,मैथ्यू वेड को मिली कप्तानी

मेलबर्न,28 अक्टूबर 2023। वर्ल्ड कप 2023 अपना आधा सफर पूरा कर चुका है, वहीं विश्व कप का आखिरी यानी फाइनल मैच 19 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद यानी 23 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। जिसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं इस सीरीज के लिए मैथ्यू वेड को कंगारू टीम की कप्तानी सौंपी गई है। , पैतीस वर्ष के वेड का अंतरराष्ट्रीय कैरियर एक साल पहले लगभग खत्म हो गया था और लग रहा था कि पिछले साल का टी20 विश्व कप उनका आखिरी टूर्नामेंट है। अब हालांकि उन्हें 15 सदस्यीय आस्ट्रेलियाई टीम का कप्तान बनाया गया है। इस साल आरोन फिंच के संन्यास के बाद से आस्ट्रेलिया के पास टी20 टीम का कोई स्थायी कप्तान नहीं है। मिचेल मार्श और वेड अंतरिम तौर पर यह जिम्मेदारी निभाते आये हैं।

आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने एक बयान में कहा, ''मैथ्यू पहले भी टीम का कप्तान रह चुका है। इस सीरीज के लिये उसे फिर कमान सौंपी गई है।'' उन्होंने आगे कहा की, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिचेल मार्श की तरह यह एक और मौका है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हम अपनी नेतृत्व क्षमता और गहराई का विकास करें।''

वहीं विश्व कप के बाद वनडे और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड , मार्श और कैमरन ग्रीन स्वदेश लौट आयेंगे लेकिन डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड टी20 सीरीज के लिये रूकेंगे। सीरीज का पहला मैच 23 नवंबर को विशाखापत्तनम में खेला जायेगा।

आस्ट्रेलिया टी20 टीम: मैथ्यू वेड (कप्तान), जैसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबोट, टिम डेविड, नाथन एलिस , ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा।

मनु भाकर ने भारत के लिए 2024 पेरिस ओलंपिक कोटा का दावा किया

चांगवोन,28 अक्टूबर 2023। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने चांगवोन में एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहने के बाद भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया। टोक्यो ओलंपियन भाकर ने 591 के स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन मेडल राउंड में केवल 24 अंक हासिल कर सके, और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियू रुई (37), ईरान के रोस्तमियान हनियेह (36) और चीन के झाओ नान (32) और फेंग से पीछे रहे। सिक्सुआन (27)।

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप 2023, 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक के लिए एक क्वालीफाइंग इवेंट है। इसमें 24 ओलंपिक कोटा

उपलब्ध हैं, जिसमें 12 ओलंपिक शूटिंग स्पर्धाओं में से प्रत्येक में सर्वश्रेष्ठ दो फिनिशर (प्रत्येक देश से एक) को उनकी राष्ट्रीय टीमों के लिए स्थान मिलता है। .

चीन, जिसने पहले इस स्पर्धा में एक कोटा बर्थ जीता था, ने शुक्रवार को अपना दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें लियू रुई पोडियम पर शीर्ष पर रहीं। प्रत्येक देश एक इवेंट में केवल दो कोटा स्थान जीत सकता है।

ईरान की रोस्तमियान हनियेह ने पिछले साल काहिरा विश्व चैंपियनशिप से पहले ही पेरिस 2024 स्लॉट हासिल कर लिया था, इसलिए पांचवें स्थान के प्रदर्शन के बावजूद चांगवोन में प्रस्ताव पर दूसरा कोटा स्थान स्वचालित रूप से मनु भाकर को दे दिया गया।

पेरिस में 2024 ओलंपिक के लिए यह भारत का 11वां कोटा था। इनमें से पांच हैं मनु भाकर, मेहुली घोष, सिफ्त कौर समरा, राजेश्वरी कुमारी और तिलोत्तमा सेन। चांगवोन में शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर तिलोत्तमा सेन ने कोटा अर्जित किया।

अर्जुन बाबूता (पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल) और सरबजोत सिंह (पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल) ने भी चांगवोन मीट से पेरिस 2024 कोटा हासिल किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड को 5 रनों से दी मात

मेलबर्न,28 अक्टूबर 2023। ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व कप मैच के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को धर्मशाला में न्यूजीलैंड को पांच रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 388 रन पर आउट हो गयी थी। न्यूजीलैंड ने जवाब में नौ विकेट पर 383 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने 116 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया के लिए एडम जम्पा ने तीन विकेट लिये।

मौजूदा वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की ये लगातार चौथी जीत है जबकि न्यूजीलैंड की ये दूसरी हार है। मैच के आखिरी ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए महज 19 रन बनाने थे। मिचेल स्टार्क की पहली गेंद पर ट्रेंट बोल्ट ने एक रन लिया। वहीं शुरुआती चार गेंदों में कीवी टीम ने 12 रन बना लिए थे और आखिरी दो गेंद पर सात रन चाहिए थे लेकिन नीशम पांचवीं गेंद पर रन आउट हो गए और मैच की आखिरी गेंद पर एक भी रन नहीं बना जिससे ऑस्ट्रेलिया पांच रनों से जीत गई। 389 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही।

जिम्नास्टिक में महाराष्ट्र का दबदबा कायम

पणजी,28 अक्टूबर 2023। महाराष्ट्र की संयुक्ता काले और ओडिशा की प्रणति नायक ने जिमनास्टिक क्षेत्र में अपना तीसरा स्वर्ण पदक हासिल करके सुर्खियां बटोरीं, जबकि महाराष्ट्र ने मॉडर्न पेंटाथलॉन पदक तालिका में पांच स्वर्ण के साथ अपना दबदबा बनाया। 37वें राष्ट्रीय खेल शुक्रवार को यहां होंगे।

रिदमिक जिमनास्ट संयुक्ता काले ने अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता और राहिल पाखले ने पेड्डेम इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जिम्नास्टिक स्पर्धाओं में महिलाओं का ट्रैम्पोलिन स्वर्ण पदक जीता।

संयुक्ता, जिन्होंने पहले लयबद्ध टीम और ऑल-राउंड स्वर्ण पदक जीते थे, ने हूप स्वर्ण पदक जीतकर खेलों में तीसरा स्थान हासिल किया। कलात्मक जिमनास्ट, प्रणति नायक, जिन्होंने कल व्यक्तिगत ऑल राउंड वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, वॉल्टिंग टेबल और असमान बार में पोडियम के शीर्ष पर रहीं और अपनी व्यक्तिगत तालिका को तीन स्वर्ण तक ले गई।

बाद में, हरियाणा के योगेश्वर सिंह ने पुरुषों की फ्लोर व्यायाम प्रतियोगिता जीतकर खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मणिपुर ने जिम्नास्टिक में दो स्वर्ण जीते, जबकि गुजरात और उत्तर प्रदेश ने इस खेल में अपने स्वर्ण पदकों की शुरुआत की।महाराष्ट्र ने मॉडर्न पेंटाथलॉन के ट्रायथल इवेंट में सभी पांच स्वर्ण पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। मयंक चापेकर और डॉली पाटिल ने तीन-तीन स्वर्ण पदक जीते।

कैंपल स्पोर्ट्स विलेज में, राजस्थान के नितेक जांगिड़ ने पुरुषों की 81 किलोग्राम भारोत्तोलन प्रतियोगिता में कुल 317 किलोग्राम वजन उठाकर राष्ट्रीय खेलों के इस संस्करण में अपने राज्य के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश के वल्लुरी अजय बाबू ने 312 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र के अभिषेक निपाने ने कुल 309 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

महिलाओं के 71 किलोग्राम वर्ग में, पंजाब की हरजिंदर कौर ने स्वर्ण पदक हासिल करने के रास्ते में कुल 201 किलोग्राम वजन उठाया। महाराष्ट्र की तृप्ति माने कुल 190 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं और मणिपुर की पी. उमेश्वोरी देवी ने कुल 189 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों के 89 किलोग्राम वर्ग में, सभी तीन पदक विजेताओं का फैसला अच्छे अंतर से हुआ क्योंकि स्वर्ण और कांस्य पदक विजेताओं के बीच केवल दो किलोग्राम का अंतर था। चंडीगढ़ के गौरव ने कुल 319 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया और एसएससीबी के पी.एस. मारुश को एक किलोग्राम से हराया, जिन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंजाब के अमरजीत गुरु ने प्रभावशाली 317 किलोग्राम भार उठाया लेकिन उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

लाल सलाम पोंगल 2024 पर भव्य नाटकीय रिलीज के लिए है तैयार

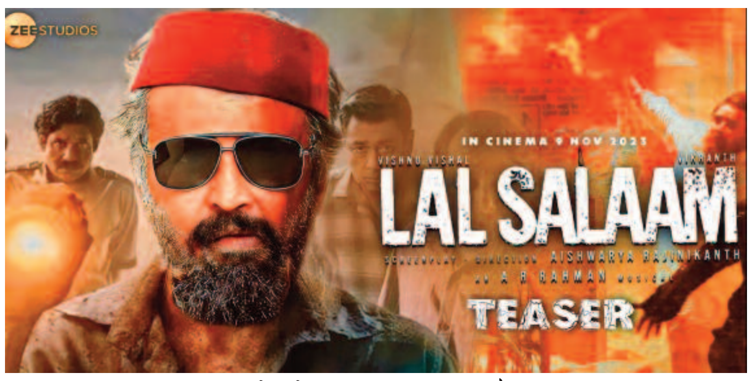

सुपरस्टार रजनीकांत अपनी बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित लाल सलाम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐश्वर्या ने इससे पहले धनुष को फिल्म 3 में निर्देशित किया था। लाल सलाम में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में हैं, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान कपिल देव भी इस परियोजना का हिस्सा हैं।

एक रोमांचक घटनाक्रम में, निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म 2024 में पोंगल त्योहार के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और उन्होंने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए रजनीकांत और विष्णु विशाल की विशेषता वाला एक पोस्टर जारी किया है। लाल सलाम पर रजनीकांत का काम कुछ समय पहले पूरा हुआ था, और वह फिल्म में मुंबई के एक गैंगस्टर मोइदीन भाई की भूमिका निभा रहे हैं। बताया गया है कि यह फिल्म क्रिकेट और साम्यवाद के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें तेलुगु अभिनेत्री जीविता राजशेखर और निरोशा ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। लाल सलाम का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है, जिसमें ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान संगीत संभाल रहे हैं। इस रोमांचक परियोजना पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

फिल्म अपूर्वा से तारा सुतारिया की पहली झलक आई सामने

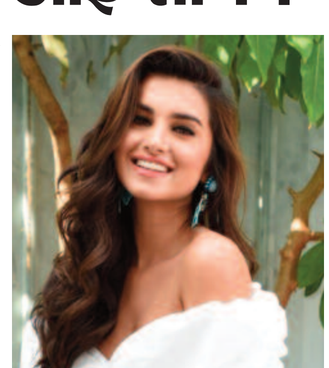

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और तब से अपने करियर में आगे बढ़ती गई हैं। इसके बाद, एक्ट्रेस अपूर्वा के लिए तैयारी कर रही है, जिसे फिल्म मेकर निखिल नागेश भट्ट द्वारा निर्देशित एक सर्वाइवल थ्रिलर प्रोजेक्ट कहा जाता है। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने फिल्म से अभिनेत्री तारा सुतारिया का पहला लुक रिलीज कर दिया हैं। साथ ही फैंस को इस फिल्म से राजपाल यादव और अभिषेक बनर्जी की एक झलक दिखाते हुए मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी खुलासा किया हैं।

ये फिल्म 15 नवंबर से डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए पुरी तरह से तैयार हैं। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इसके पोस्टर की मदद से फिल्म से सुतारिया का पहला लुक भी जारी कर दिया हैं। पोस्टर में अभिनेत्री को एक दिलचस्प अवतार में देखा जा सकता है क्योंकि उनके हाथ में खून से सना हुआ एक बड़ा चाकू है। तारा सुतारिया का यह लुक इसके फएंस के बीच खलबली पैदा कर रही हैं। फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, सुतारिया ने बताया कि यह फिल्म एक साधारण लड़की की शक्तिशाली और रोमांचक कहानी है, जिसका साहस एक दिलचस्प यात्रा तय करता है।

फिल्म के मेकर्स ने फिल्म से अभिनेता अभिषेक बनर्जी और राजपाल यादव का लुक भी जारी कर दिया हैं। फिल्म में दिखाई गई झलक में इन दोनों को सुतारिया के साथ देखा जा सकता है। फिल्म में अपने किरदार के बारे में चर्चा करते हुए, बनर्जी ने बताया की ये कितना खतरनाक है और यह भी कहा कि उन्हें पहली कहानी में स्क्रिप्ट आकर्षक लगी। अभिनेता राजपाल यादव, जो फिल्म में भी नजर आएंगे, ने कहा कि दर्शक कॉमेडी किंग को ÷असामान्य÷ अवतार में कैसे देखेंगे।

एहम किरदार में तारा सुतारिया, राजपाल यादव और अभिषेक बनर्जी अभिनीत, फिल्म की कहानी इसके मुख्य किरदार अपूर्वा पर केंद्रित है, जो एक साधारण लड़की है जो असाधारण परिस्थितियों का सामना करती है और जीवित रहने और आगे बढ़ने के लिए कुछ भी कर सकती है।

वेब सीरीज पर्मानेंट रूममेट्स से ही मुझे पहचान मिली:निधि सिंह

रोमांटिक कॉमेडी वेब सीरीज पर्मानेंट रूममेट्स में काम करने वाली अभिनेत्री निधि सिंह को इस शो से काफी लोकप्रियता मिली। अभिनेत्री ने अपना करियर एक थिएटर कलाकार के रूप में शुरू किया था। अब एक्ट्रेस सीरीज के तीसरे सीजन में नजर आएंगी। निधि ने बताया कि इस शो के बाद ही लोगों ने उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में पहचानना शुरू किया। वेब सीरीज पर्मानेंट रूममेट्स (टीवीएफ) में तान्या का किरदार निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री को आज तक उनके इसी किरदार के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। शो का तीसरा सीजन आखिरकार आ गया है और दर्शकों को एक बार फिर तान्या और मिकेश की केमिस्ट्री पसंद आई है।

एक बातचीत में अभिनेत्री ने शो के बारे में कई बातें साझा की, निधि ने कहा, ऐसी दुनिया में आना हमेशा अच्छा लगता है जो आपको खुश करती है। पर्मानेंट रूममेट्स परिचित लगता है। यह एक परिवार की तरह है। जब मैंने पहले सीजन की शूटिंग शुरू की थी, उस समय मैं वास्तव में एक अभिनेत्री नहीं थी। मेरी एक क्लिप वायरल हो गई थी और लोग मुझे उसी के लिए जानते थे।

अभिनेत्री ने कहा, पर्मानेंट रूममेट्स के बाद, लोगों ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में पहचानना शुरू कर दिया। मेरे लिए सब कुछ वहीं से शुरू हुआ और आज तक मुझे इसके लिए सबसे अधिक सराहना मिली है।÷

इस बारे में बात करते हुए कि क्या लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर उसी किरदार में ढलना मुश्किल था, उन्होंने कहा, किरदार की नब्ज और सार लेखन में है। अगर लेखन अच्छा है, तो आपको बस समर्पण करना होगा और हमने बस यही किया। साथ ही बहुत कुछ आपके सह-अभिनेताओं पर भी निर्भर करता है।

पर्मानेंट रूममेट्स सीजन 3 अरुणाभ कुमार द्वारा निर्मित और श्रेयांश पांडे द्वारा निर्देशित है।

इसमें सुमीत व्यास और निधि सिंह मुख्य भूमिका में हैं और इसकी अमेजन प्राइम पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

ओबीसी के साथ अन्याय कर रही केंद्र की मोदी सरकार:राहुल

चुनाव प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जनसभा में पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला...

कांकेर,28 अक्टूबर 2023 (ए)। जिले के भानुप्रतापुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऐतिहासिक घोषणा करते हुए छत्तीसगढ़ में पुनः सरकार बनने पर सभी शिक्षण संस्थानों में मुफ्त शिक्षा देने की बड़ी घोषणा की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा कि फिर से कांग्रेस सरकार आने पर हम छत्तीसगढ़ में केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देंगे।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को 4000 रु सालाना बोनस और लघु वनोपजों की डैच् पर 10 रुपए अतिरिक्त राशि देने की बड़ी घोषणा भी की। राहुल गांधी की इस घोषणा से पूरा सभास्थल तालियों से गूंज उठा। भारी जनसमूह के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सरकार बस्तर के आदिवासियों के हित में लगातार काम कर रही है। हमने आदिवासियों को ना केवल मालिकाना हक दिया है बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए भी काम किया है।

कांग्रेस ने निभाया अपना वायदा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चुनाव में हमने छत्तीसगढ़ की जनता से कई वायदे किए थे और जैसे ही हमारी सरकार बनी हम ने सभी वादों को पूरा किया है। भाजपा के नेता कहते थे कि हम वायदों को पूरा नहीं कर पाएंगे लेकिन हमने मात्र 2 घंटे में किसानों की कर्ज माफ़ी कर किसानों से किया वादा निभाया। हमने आदिवासियों की जमीन लौटाकर, फर्जी केसों में जेलों में बंद आदिवासियों की रिहाई कर छत्तीसगढ़ के आदिवासियों से किया वादा निभाया है। कांग्रेस सरकार पर सबका विश्वास बढ़ा है और छत्तीसगढ़ उन्नति की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

वनवासी शब्द से आदिवासियों का अपमान

जनसभा में सांसद राहुल गांधी ने आदिवासी और वनवासी शब्द के मायने बताए, उन्होंने बताया कि आदिवासी, हिंदुस्तान के पहले मालिक है। आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन की रक्षा की जानी चाहिए और उनका हक मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ के लोग वनवासी शब्द का उपयोग करते है जो कि आदिवासियों का अपमान है। वनवासी शब्द के जरिए आदिवासियों के संस्कृति और परंपरा पर आक्रमण किया जा रहा है।

आदिवासियों की जमीनें हुईं सुरक्षित

भानुप्रतापुर की सभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार ने पेसा कानून लागू किया है जिससे कोई भी उद्योगपति बिना आदिवासियों की अनुमति के उनकी जमीन नहीं ले सकता है। पेसा कानून से ग्राम सभाएं मजबूत हुई है, हमने आदिवासियों को अधिकार सम्पन्न बनाने का काम किया है।

जाति जनगणना से क्यों डरते है मोदी जी

जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी सभी जगह ओबीसी होने का दावा करते है, वो कहते है कि देश में ओबीसी की सरकार है फिर वो जाति जनगणना कराने से क्यों डरते है। उन्होंने पीएम मोदी से सवाल पूछते हुए कहा कि वे अपने भाषणों में जातीय जनगणना का जिक्र क्यों नहीं करते है ? मोदी जी कांग्रेस सरकार के दौरान हुए जातीय जनगणना को जारी क्यों नहीं करते है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार को ओबीसी विरोधी बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार की 90 कैबिनेट सेक्रेटरी में से मात्र 3 ओबीसी समुदाय से है। उन्होंने ओबीसी युवाओं को आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ओबीसी के साथ अन्याय कर रही है।

भाजपा का हिन्दी प्रेम सिर्फ दिखावा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा नेता जहां भी जाते है वो हिन्दी की बात करते है, वो कहते है कि हिन्दी सबसे जरूरी भाषा है और कहते है कि छत्तीसगढ़ी और अंग्रेजी जरूरी भाषाएं नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सोच ऐसी नहीं है, हमारे लिए हिन्दी भी जरूरी है, छत्तीसगढ़ी भी जरूरी और अंग्रेजी भी जरूरी है क्योंकि अगर आपको छत्तीसगढ़ में बात करनी है तो छत्तीसगढ़ी जरूरी है, अगर आप यूपी और एमपी जाएंगे तो हिन्दी जरूरी है और अगर आप विदेशी पर्यटकों या विदेशियों से बात करना चाहेंगे तो अंग्रेजी जरूरी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम चाहते है कि आप जहां भी जाएं भाषा का प्रयोग कर पाएं उसका फायदा ले पाएं। उन्होंने आम जनता से कहा कि आप भाजपा नेता जो कहते है कि अंग्रेजी खराब है उनसे पूछिए कि आपके बच्चे कहाँ पढ़ते है वो इसका जवाब नहीं देंगे वे चुप हो जाएंगे क्योंकि ये रात दिन अंग्रेजी को कोसने वाले भाजपा के लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाते हैं।

किसानों को तस्कर कहती है बीजेपी:सीएम

बीजेपी किसानों पर अत्याचार करने का कोई अवसर नहीं छोड़ती है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा कर बीजेपी तीन काले कृषि कानून लाती है। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर के भानुप्रतापपुर में हुई जनसभा में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम घोषणा करते हैं कि प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदेंगे तो बीजेपी के नेता सवाल करते हैं कि इतनी पैदावार ही नहीं होती है। किसान इतना धान तस्करी करके लाएगा क्याघ् बीजेपी किसानों को तस्कर कहती है। रमन सिंह जब मुख्यमंत्री थे तो किसानों को बोनस देने का वादा किया था जिससे मुकर गए। जब कांग्रेस की सरकार बनी तो विधानसभा में सवाल करते हैं कि उन्होंने बोनस का जो वादा किया था उसे कांग्रेस की सरकार कब पूरा करेगी। रमन सिंह खुद दो साल का बोनस दे नहीं पाए और सवाल हमसे करते हैं। बीजेपी सिर्फ चुनावी साल में बोनस देती है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब केंद्र में यूपीए की सरकार में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तो किसानों को 50 से 100 रुपये बोनस मिलता था लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही बोनस मिलना बंद हो गया। मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा कि बोनस पर आप रोक लगाए हैं अनुमति देकर रोक हटाइए।

कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों को अपने खजाने से बोनस का भुगतान करेगी लेकिन मोदी जी ने आज तक अनुमति नहीं दी। कांग्रेस की सरकार में किसानों का कर्ज माफ किया जाता हैए लेकिन मोदी जी साढ़े 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज उद्योगपतियों का माफ करते हैं।

बस्तर में होते थे फर्जी इनकाउंटर

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी के 15 साल के कुशासन को याद करने की आवश्यकता है। बस्तर में आदिवासियों को नक्सली बताकर फर्जी इनकाउंटर कर दिया जाता था उन्हें जेल में ठूंस दिया जाता था। सालों साल तक जमानत नहीं मिलती थी। आदिवासियों की एक लाख एकड़ जमीन छीन ली गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वण् इंदिरा गांधी जी ने जिन आदिवासियों को जमीन का पट्टा दिया था उसे रमन सिंह ने छीन लिया। कांग्रेस की सरकार बनी तो राहुल जी ने फिर आदिवासियों को जमीन वापस की।

बीजेपी सिर्फ आरोप लगाती

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी सिर्फ आरोप लगाती है लेकिन आरोप सिद्ध होना भी चाहिए। महादेव ऐप संचालकों से उनकी सांठगांठ है। महादेव ऐप के मालिक को केंद्र सरकार गिरफ्तार नहीं करती है बल्कि जुआ सट्टा पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा देती है।

बीजेपी ने अब तक नहीं की कोई घोषणा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बीजेपी विपक्ष में है लेकिन उनके नेताओं ने अभी तक एक भी घोषणा नहीं की है। वहीं कांग्रेस चार घोषणाएं कर चुकी है। प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदीए जातिगत जनगणनाए 17.5 लाख परिवार को आवास और किसानों का कर्ज फिर माफ करने की घोषणा कांग्रेस कर चुकी है।

मोदी,गडकरी समेत 40 बीजेपी नेता छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के लिए करेंगे चुनाव प्रचार

» **पहले चरण में 7 नवंबर और दूसरे चरण में 17 नवंबर को होगा मतदान**

रायपुर,28 अक्टूबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत 40 प्रमुख नेता छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रचार करेंगे।भाजपा केंद्रीय समिति की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची के मुताबिक श्री मोदी, श्री शाह , श्री सिंह , श्री गडकरी और श्री नड्डा छत्तीसगढ़ में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।
अन्य स्टार प्रचारकों में ओपी माथुर, मनसुख मांडविया, योगी आदित्यनाथ, अर्जुन मुंडा, अनुराग ठाकुर, श्रीमती स्मृति ईरानी, धर्मेंद्र प्रधान, रामेश्वर तेली, देवेंद्र फडणवीस, बाबूलाल मरांडी, रविशंकर प्रसाद, अरूण साव, डॉ रमन सिंह, सुश्री सरोज पांडेय, अजीत जामवाल, नितिन नबीन, पवन साय, साक्षी महाराज, केशव प्रसाद मौर्या, मनोज तिवारी, नित्यानंद राय, बृजमोहन अग्रवाल, रवि किशन और सतपाल महाराज शामिल हैं।
इसके अलावा नारायण चंदेल, रामविचार नेताम, गौरीशंकर अग्रवाल, विक्रम उसेंडी, मधुसूदन यादव, संतोष पांडेय, गुहाराम अजगले, गुरू बालदास साहेब, रामसेवक पैकरा, सुश्री लता उसेंडी और चंदूलाल साहू भी चुनाव प्रचार करेंगे।
छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग तथा सरगुजा संभाग के कुल 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तथा दो नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को कारण बताओ नोटिस जारी

दुर्ग,28 अक्टूबर 2023 (ए)। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर मुकेश रावटे ने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू को विधानसभा निर्वाचन-2023 संपत्ति विरूपण अधिनियम में उल्लेखित प्रावधानों का उल्लंघन करने के संबंध में नोटिस जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उमरपोटी में स्थित शासकीय पानी टंकी एवं निजी मकान में बिना सहमति के चुनाव प्रचार का लेखन कराया गया है।जो कि आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन है। उक्त लेखन को मौके पर एफ.एस.टी. दल एवं ग्राम पंचायत के सचिव द्वारा आदर्श आचरण संहिता का पालन करते हुए मिटाया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा साहू को शासकीय संपत्ति पानी टंकी एवं निजी मकान मालिक से सहमति प्राप्त किये बिना चुनाव प्रचार का लेख कराये जाने को आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन मानते हुए इस संबंध में तत्काल जवाब कार्यालय को प्रस्तुत करने कहा गया है। अन्यथा इस स्थिति में निर्वाचन नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

अलग-अलग जगहों से कपड़े और रुपये का मिला जखीरा

जांजगीर-चांपा ,28 अक्टूबर 2023 (ए)। जिले में चेकिंग अभियान के दौरान एफएसटी और एसएसटी की टीम को दो अलग-अलग जगह में बड़ी कामयाबी मिली है. पहला मामला सारागांव थाना क्षेत्र का है. यहां चेकिंग के दौरान एफएसटी की टीम ने कार से भारी मात्रा में कपड़ा जब्त किया गया। वहीं दूसरी ओर शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में एसएसटी की टीम कार से लगभग 5 लाख नगदी जब्त किया है।
एफएसटी की टीम ने देर रात वाहन चेकिंग के दौरान नेशनल हाइवे में सारा गांव के पास कार की चेकिंग के दौरान भारी मात्रा में अवैध कपड़ा बरामद किया है. एफएसटी की टीम ने कार चालक से कपड़ों के विषय में जानकारी मांगी लेकिन उसने कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं किया। जिसके बाद कपड़ों के साथ कार को जब्त किया गया है

और सारागांव पुलिस को सौंप दिया है। उप पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी ने इस मामले ने बताया कि मध्यप्रदेश के गोरखपुर, जबलपुर का रहने वाला कार चालक सचिन खत्री के पास 1 लाख 34 हजार रूपये का कपड़ा जब्त किया गया और चालक के खिलाफ धारा 103 आईपीसी के तहत कार्रवाई की गई है।शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान कार से 4 लाख 65 हजार रूपये जब्त किया है. एसएसटी की टीम ने बरामद राशि को धारा 102 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की है और और मामले की सूचना कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और जीएसटी विभाग को भी जानकारी दी है. इस मामले में एडिशनल एस पी अनिल सोनी ने बताया कि शिवरीनारायण के शबरी चौंक में नाकाबंदी कर एसएसटी की टीम संदिग्ध वाहनों की तलाशी कर रही थी।तभी बिलासपुर का सुमित वाधवानी और राजेश कसेर की कार से पहुंचे. जिसकी तलाशी के दौरान 4 लाख 65 हजार 850 रूपये बरामद किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उनसे वैध दस्तावेज की मांग की और पर्याप्त जानकारी नहीं मिलने पर धारा 102 आईपीसी के तहत कार्रवाई की है. वहीं पुलिस ने पैसों के संबंध में जानकारी जुटाने के लिए जीएसटी विभाग को जानकारी भेजी है।

बिल्हा विधानसभा सीट के लिए बीजेपी से धरमलाल कौशिक और कांग्रेस से सियाराम कौशिक के बीच होगी जंग

बिल्हा ,28 अक्टूबर 2023 (ए) । छत्तीसगढ़ की न्यायधानी कहलाने वाले बिलासपुर प्रदेश की राजनीति में अहम योगदान रखता है. बिलासपुर जिले में कुल 6 विधानसभा सीटें हैं. इसमें बिल्हा विधानसभा सीट बीजेपी के पास है. बिलासपुर जिले की 6 में से 3 सीट पर बीजेपी का कब्जा है. साल 2018 के चुनाव में बिल्हा विधानसभा सीट से कद्दावर नेता धरमलाल कौशिक ने जीत दर्ज की थी. इस सीट पर कुर्मी, सतनामी, साहू और अन्य पिछड़ा वर्ग बड़ी संख्या में निवास करते हैं. यहां पिछड़ा वर्ग के वोटर का बोलबाला है. जब भी चुनाव होते हैं, तब यहां के मतदाता खुलकर वोट करते हैं. जिसके कारण पिछले चुनाव परिणाम बदल जाते हैं. यही एक फैक्टर बिल्हा सीट को दूसरी बिल्हा विधानसभा सीट सामान्य है . यहां पिछड़ा वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग के लोग ज्यादा हैं. विधानसभा चुनाव में सिंधी और कुर्मी दोनों समाज के लोग किंगमेकर की भूमिका में रहते हैं. पिछले विधानसभा चुनाव में कुर्मी समाज के दोनों पार्टी के उम्मीदवार थे. इसमें सिंधी और पंजाबी समाज यहां एकतरफा वोटिंग करके बीजेपी को जीत दिलाई थी. लेकिन कांग्रेस में भी दोनों ही समाज के वोट गए. लेकिन बीजेपी ने इस मामले में बाजी मार दी

भाजपा की पूर्व रमन सरकार 15 साल तक लगातार करती रही आदिवासियों का शोषण

रायपुर,28 अक्टूबर 2023 (ए) । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि आदिवासियों को लंगोट में रखने का षड़यंत्र तो भाजपा ने कर रखा था। भाजपा कभी नहीं चाहती कि आदिवासी वर्ग आर्थिक और शैक्षणिक रूप से आत्मनिर्भर बने। भाजपा आदिवासियों का और उनकी संस्कृति का हमेशा से दमन करना चाहती है। भाजपा यदि आदिवासियों का हित चाहती तो अभी तक आदिवासी समाज का आरक्षण बिल 10 माह से ज्यादा समय से राजभवन में अटका हुआ नहीं होता। कोर्ट ने आदिवासी समाज का आरक्षण 32 प्रतिशत से घटाकर 20 कर दिया था। कांग्रेस सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आदिवासी समाज का आरक्षण फिर से 32 प्रतिशत किया, ओबीसी का आरक्षण 27 प्रतिशत, एससी का 13 प्रतिशत तथा ईडब्ल्यूएस का 4 प्रतिशत आरक्षण किया। यह आरक्षण संशोधन विधेयक भाजपा की साजिश एवं षड़यंत्र के कारण पिछले 10 माह से राजभवन में रोका गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि पूर्व के रमन सरकार के 15 साल के दौरान सबसे ज्यादा पीड़ित, प्रताड़ित और शोषित आदिवासी वर्ग ही था। आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करने के लिए उनके कानूनी अधिकारों का हनन करने का काम भाजपा सरकार करती रही। 15 सालों में रमन सरकार ने आदिवासियों की 90000 एकड़ से अधिक जमीन पूंजीपतियों को सौंप दी। आदिवासी वर्ग के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उनके मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी प्रकार से काम नहीं किया गया था। भाजपा ने 2003 में आदिवासियों को 10 लीटर दूध वाली गाय देने का वायदा किया था, हर आदिवासी परिवार से एक को सरकारी नौकरी का वायदा किया था, पूरा नहीं किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के दौरान बस्तर के 600 से ज्यादा गांव उजाड़ दिये गये। तीन लाख से अधिक आदिवासियों को पलायन के लिए मजबूर किया गया। रमन सरकार ने 1379 फर्जी प्रकरण दर्ज कर हजारों आदिवासियों को नक्सली बताकर जेल के सलाखों के पीछे ढकेल दिया। हमारी कांग्रेस सरकार ने जस्टिस पटनायक कमेटी के रिर्पोट के आधार पर 900 से अधिक मामलों में हजारों निर्दोष आदिवासियों की रिहाई हुयी। रमन सरकार आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकार से वंचित करती रही, लोहंडीगुड़ा में 1707 किसानों की 4200 एकड़ टाटा को सौंपने का काम किया छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार देश की इकलौती सरकार है जिसने पूंजीपतियों से जमीन वापिस लेकर आदिवासियों को वापस लौटाई। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने पांच लाख 18 हजार 617 वनाधिकार पट्टों के माध्यम से 1 करोड़ 4 लाख 21 हजार एकड़ जमीन आदिवासियों को दी। मोदी सरकार देश की पहली सरकार है जिन्होंने 2014 के बाद अंधाधुन कमर्शियल माइनिंग की अनुमति दी। केन्द्र की मोदी सरकार नगरनार प्लांट को अपने पूंजीपति मित्र अडानी को सौंपने की साजिश एवं षडयंत्र कर रही है।

रायगढ़ से मधु किन्नर ने ठोकी ताल

भाजपा के ओपी चौधरी और कांग्रेस के प्रकाश नायक से होगा मुकाबला

रायपुर,28 अक्टूबर 2023 (ए)। रायगढ़ विधानसभा सीट पर इस बार रोचक मुकाबला देखने को मिलने वाला है। सीट से भाजपा ने ओपी चौधरी तो कांग्रेस ने प्रकाश नायक को मौका दिया है। वहीं अब इसी सीट पर मधु किन्नर ने भी ताल ठोक दी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पांचवीं लिस्ट थर्ड जेंडर की पूर्व महापौर मधु किन्नर को उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि मधु बाई देश में पहली किन्नर महापौर बनी थी।

मधु बाई किन्नर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ की मेयर रह चुकी हैं। उन्होंने दिग्गज पार्टियों के प्रत्याशी को 9 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। निर्दलीय प्रत्याशी मधु किन्नर ने रायगढ़ में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी को हराकर मेयर बनी थीं। उनका जन्म रायगढ़ में ही हुआ था। मधु बाई को पहले नरेश चौहान के नाम से जाना जाता था।मधु किन्नर ने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की है। किशोरावस्था में उन्होंने स्कूल छोड़ दिया था। मधु गरीबी में पली-बढ़ीं, मधु किन्नर के परिवार ने उन्हें लैंगिक व्यवस्था के तौर-तरीके न मानने की वजह से घर से बाहर निकाल दिया था जिस वजह से वह किन्नर समुदाय के लोगों के साथ जाकर रहने लगीं। राज्य में 7 और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। वोटिंग होने के बाद 3 दिसंबर को जारी किए जाएंगे।

लोरमी विधानसभा सीट के लिए बीजेपी से अरुण साव और कांग्रेस से थानेश्वर साहू में होगी जंग

मुंगेली,28 अक्टूबर 2023 (ए) । जिले की लोरमी विधानसभा सीट से कई कद्दावर विधायक चुनकर आये हैं. पहले इस सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था. लेकिन समय समय पर कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी के प्रत्याशी इस सीट से विधायक चुने गए. धर्मजीत सिंह नें 4 बार विधायक का चुनाव जीतकर इस सीट पर नया कीर्तिमान बनाया. वर्तमान में लोरमी विधानसभा सीट से धरमजीत सिंह ही विधायक है. धरमजीत सिंह हालांकि 2018 के चुनाव में जेसीसीजे से चुनकर आये थे, लेकिन पार्टी से निष्कासन के बाद कुछ ही दिन पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है.

पूर्व विधायक राजकमल सिंघानिया लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

पलारी,28 अक्टूबर 2023 (ए) । छत्तीसगढ़ में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस में भारी मंथन के बाद नए चेहरों को मौका देने के लिए कई पूर्व विधायकों को टिकट नहीं दिया गया है। टिकट नहीं मिलने वालों में पार्टी के कई ऐसे बड़े नेताओं के नाम भी शामिल है जिनका क्षेत्र में बड़ा दबदबा है। उन्हीं मे से एक नेता राजकमल सिंघानिया का नाम भी शामिल है जिन्हें टिकट नहीं दिया गया। टिकट नहीं मिलने से नाराज राजकमल सिंघानिया ने पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी है और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लेकर बलौदाबाजार जिले के कसडोल विधानसभा से दो बार के विधायक रहे राजकमल सिंघानिया ने नामांकन फार्म खरीदकर सबको चौंका दिया है। दरअसल, कसडोल विधानसभा से राजकमल सिंघानिया ने विधायक के लिए दावेदारी की थी, लेकिन पार्टी ने संदीप साहू को अपना प्रत्याशी बना लिया। ऐसे में राजकमल सिंघानिया ने आज ही कसडोल विधानसभा के लिए नामांकन फार्म खरीदा है और माना जा रहा है कि वह निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं। ऐसे में कसडोल विधानसभा की लड़ाई अब दिलचस्प होने के साथ कांग्रेस पार्टी के लिए मुसीबत भी बन सकती है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)